सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

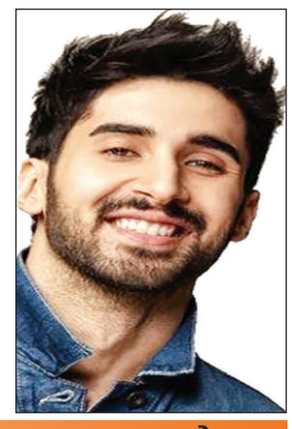

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी पेज: 7

कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर के बाद लक्ष्य लालवानी भी पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 334 | मंगलवार 17 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

ऋषिकेश में अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आगाज, सीएम धामी बोले- 'युवा योग को जीवन का हिस्सा बनाएं'

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने योग को केवल व्यायाम नहीं बल्कि समग्र जीवन पद्धति बताते हुए सोमवार को युवओं से इसेजीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। यहां मुनि की रेती में गंगा रिजॉर्ट में सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव- 2026 का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि समग्र जीवन पद्धति है जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का काम करता है। उन्होंने देश के युवाओं से योग को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत युवा आमतौर पर थकावट महसूस करते हैं और इसे दूर करने में योग उनका सबसे अच्छा सहयोगी बन सकता है। धामी ने योग को भारत की प्राचीन और महान आध्यात्मिक परंपरा की अमूल्य धरोहर बताया और कहा कि हजारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषि-मुनियों ने योग के माध्यम से तन, मन और आत्मा के संतुलन का जो मार्ग दिखाया था

राज्यसभा में एलपीजी पर भारी हंगामा, खरगे के सवालों पर नड्डा का पलटवार- कांग्रेस कर रही जमाखोरी

नई दिल्ली एजेंसी: राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण देश में बढ़ते एलपीजी संकट पर सदन में चिंता व्यक्त की। सोमवार को राज्यसभा में बोलते हुए खरगे ने कहा कि एलपीजी सिलेंडरों की कमी से पूरे भारत में घरों और व्यवसायों में व्यापक परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि मैं इस सदन का ध्यान पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण देश में व्याप्त एलपीजी संकट की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। इस एलपीजी संकट ने पूरे देश में व्यापक अराजकता पैदा कर दी है। खरगे ने कहा कि यह संकट गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के साथ-साथ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव समाज के गरीब और कमजोर वर्गों, मध्यम वर्ग, आम घरों, रेस्तरां, छात्रावासों और व्यावसायिक उपयोगकताओं पर समान रूप से पड़ रहा है। खरगे ने बताया कि भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है, और इस आयात का लगभग 90 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जिससे देश भू-राजनीतिक उथल-पुथल के प्रति संवेदनशील हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति का असर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के साथ-साथ रेस्तरां, छात्रावासों और छोटे व्यवसायों पर भी पड़ रहा है। खरगे ने कहा कि इस संकट का असर देश के लगभग हर हिस्से में महसूस किया जा रहा है। परिवार संकट में हैं। छोटे-छोटे ढाबे, रेस्तरां और छात्रावास सबसे

जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने

राज्यसभा में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उत्पन्न एलपीजी संकट पर चिंता जताई, जिससे आम लोगों और व्यवसायों को परेशानी हो रही है। इसके जवाब में, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने और सिलेंडर जमाखोरी का आरोप लगाते हुए तीखा पलटवार किया।

ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। सामुदायिक रसोई से लेकर धर्मार्थ खाद्य केंद्रों तक, सब कुछ बंद करने पर मजबूर हो गया है। उन्होंने सरकार के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, और बताया कि कुछ प्रतिष्ठान कथित तौर पर सिलेंडर बहुत ऊंची कीमतों पर खरीद रहे हैं। यह चिंता का विषय है कि कई प्रतिष्ठानों ने अपना कामकाज कम कर दिया है या बंद कर दिया है। कुछ प्रतिष्ठान 5,000 रुपये प्रति सिलेंडर से भी अधिक की दर पर सिलेंडर खरीद रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आगे आरोप लगाया कि सरकार को संकट का अनुमान लगाकर एलपीजी आयात के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार को पता था कि एलपीजी आयात संकट का सामना करेगा, तो वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? उन्होंने पूछा और सदन से इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया। खरगे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष द्वारा इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की आलोचना की। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के एक नेता को सिलेंडर जमाखोरी करते हुए पकड़ा गया है। वे देश की शांतिप्रिय जनता को भड़का रहे हैं। यह दुखद है कि विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस, मुश्किल समय में भी राजनीति करना बंद नहीं करती। यह संकट भारत की वजह से नहीं है। नड्डा ने शून्यकाल के दौरान सदन के प्रक्रियात्मक नियमों के बारे में भी खरगे को याद दिलाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता को पता होना चाहिए कि यह शून्यकाल है और तीन मिनट के भीतर बोलना समाप्त करना होता है।

लोक सभा में शांत हुआ हंगामा, राज्य सभा में टीएमसी का वॉकआउट, एलपीजी पर तीखी बहस

नई दिल्ली एजेंसी: बजट सत्र के दूसरे चरण में विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कुछ दिन तक अवरुद्ध रही प्रश्नकाल की कार्यवाही सोमवार को पहली बार पूरी तरह निर्बाध तरीके से संपन्न हुई। सदन की बैठक शुरू होते ही कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने अपने मुद्दे उठाने का प्रयास किया। हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वह प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद उन्हें अपनी बात रखने का अवसर देंगे। वरिष्ठ नागरिकों, पत्रकारों, दिव्यांगजनों के लिए रेल किराये में छूट बहाल करने की लोकसभा में मांग उठी। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी, तृणमूल कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती सहित राज्य

के शीर्ष नौकरशाहों को हटाने के चुनाव आयोग के फैसले के विरोध में सोमवार को राज्यसभा से एक दिवसीय वॉकआउट किया। राज्यसभा में कार्यकाल पूरा होने पर पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई को विदाई दी गई। लोकसभा की कार्यवाही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारतीय रेल से जुड़ी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रेलवे में अंसभव को भी संभव कर दिखाया है। भाजपा सांसद गणेश सिंह ने वर्ष 2026-27 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि पिछले 10-11 वर्षों में रेलवे ने जो प्रगति की है, उसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद किया जाना चाहिए। उनका कहना था, रेलवे में जो असंभव दिख रहा था, वो संभव हो गया है। कांग्रेस ने आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन का विषय सोमवार को लोकसभा में उठाया और अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया कि इनका निलंबन रद्द किया जाए। पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने सदन में यह विषय उठाया। वेणुगोपाल ने कहा, हमारे आठ सदस्यों को निर्लबित किया गया है, वो सदन के बाहर बैठे हुए हैं। पहले भी हमने यह विषय उठाया है...आपसे आग्रह है कि आज फैसला कीजिए। इस पर बिरला ने कहा, आप वरिष्ठ सदस्य हैं। सदन के निर्णयों पर सदन के भीतर चर्चा नहीं होती। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार नये उद्यम शुरू करना चाह रहे

दिल्ली में युवा कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन, भारत-अमेरिका ट्रेड डील को बताया किसानों के लिए 'धोखा'

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय युवा कांग्रेस ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और एलपीजी की कमी की खबरों के खिलाफ 'संसद घेराव' का प्रदर्शन किया। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि यह व्यापार समझौता देश के किसानों को नुकसान पहुंचाएगा, और अगर हम किसानों को बचाना चाहते हैं, तो हमें इस व्यापार समझौते के खिलाफ लड़ना होगा। राहुल गांधी के नेतृत्व में युवा कांग्रेस इसके खिलाफ लड़ रही है। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ता जंतर-मंतर से ह्यसंसद घेरावह्न करने के लिए आगे बढ़े, हालांकि पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस विरोध प्रदर्शन से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं-रणदीप सिंह सुरजेवाला, सचिन

पायलट और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग- ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। चिब ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यवार समझौता दबाव का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री समझौता कर चुके हैं और एसटीन फाइल के चलते भी सरकार दबाव में है। चिब ने कहा कि सरकार को इस व्यापार समझौते को रद्द करना चाहिए। इससे पहले युवा कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने संवाददाताओं से कहा था कि देश भर से पार्टी की युवा शाखा के कार्यकर्ता केंद्र की नीतियों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए जंतर-मंतर पर एकत्र होंगे। इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब करेंगे। लाकड़ा ने कहा कि युवा कांग्रेस यह इस बात की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी कि कैसे व्यापार समझौते से किसानों और कपड़ा क्षेत्र को नुकसान होगा तथा देश की डेटा सुरक्षा से भी समझौता होगा। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस के सदस्यों ने पहले एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भी विरोध प्रदर्शन किया था। चिब और युवा कांग्रेस के कई अन्य पदाधिकारियों को पिछले महीने एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार किया गया था। चिब और कई पदाधिकारियों को जमानत मिल चुकी है। लाकड़ा ने कहा, सत्र न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय दोनों ने स्वीकार किया है कि विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र का अभिन्न अंग है।

सीएम योगी ने राजस्थान से दिया 'श्रेष्ठ भारत' का मंत्र, बोले- हर वर्ग का योगदान है जरूरी

नई दिल्ली एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसका निर्माण संतों की तपस्या, वीर पुरुषों और महिलाओं के बलिदान और किसानों, कारीगरों और शिल्पकारों की कड़ी मेहनत से हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि जब समाज का हर वर्ग मिलकर योगदान देता है, तभी राष्ट्र मजबूत होता है। राजस्थान के जालोर स्थित श्री रत्नेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित महायज्ञ और धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में एकता और सामूहिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि जब समाज का हर वर्ग एकजुट होकर योगदान देता है, तभी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' बनता है। हर व्यक्ति के जीवन का लक्ष्य 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का निर्माण होना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ऐतिहासिक मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं और उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे

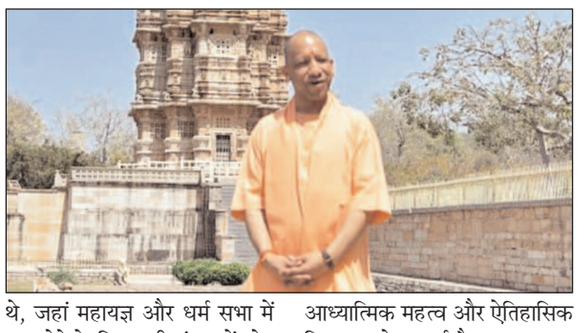

थे, जहां महायज्ञ और धर्म सभा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए थे। आदित्यनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं ने देश की पहचान को आकार देने और विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों के बीच एकता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे पहले, 14 मार्च को, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि कई वर्षों बाद सोंगल गांव में संतों और श्रद्धालुओं का एक विशाल समूह एकत्रित हुआ है, जो इस भूमि के आध्यात्मिक महत्व और ऐतिहासिक विरासत को दर्शाता है।

हरियाणा के कैथल स्थित सोंगल गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान धर्म सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर और पवित्र स्थल पर एकत्रित संतों और श्रद्धालुओं का आशीर्वाद प्राप्त करके खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कई वर्षों बाद, इतने विशाल संख्या में संत और श्रद्धालु सोंगल में एकत्रित हुए हैं।

बिहार में बदला राज्य सभा का गणित, तेजस्वी के साथ आए एआईएमआईएम-बीएसपी, एनडीए का खेल बिगड़ेगा?

बिहार एजेंसी: आरजेडी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने भरोसा दिलाया कि उनकी पार्टी के पास एनडीए से राज्यसभा की एक सीट छीनने के लिए पर्याप्त समर्थन है। आरजेडी और उसके गठबंधन के विधानसभा में 35 विधायक हैं, लेकिन अपने उम्मीदवार एडी सिंह को राज्यसभा भेजने के लिए उन्हें 41 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि एआईएमआईएम और बसपा, जिनके पास क्रमशः छह और एक सीट है, ने आरजेडी उम्मीदवार को अपना समर्थन दिया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें पूरा भरोसा है। पहले महागठबंधन की संख्या 35 थी। जीतने के लिए 41 की जरूरत होती है। भाजपा-एनडीए को 3 की जरूरत थी। लेकिन हमने इस चुनौती को स्वीकार किया और भाजपा से लड़ने का फैसला किया, न कि उनके सामने झुकने का। एआईएमआईएम और बसपा के सहयोगियों ने आरजेडी उम्मीदवार का समर्थन किया है। इसलिए, अब हमारी संख्या 41 है। भाजपा को अपने पाँचवें उम्मीदवार को जिताने के लिए तीन और विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है। एनडीए के उम्मीदवारों में बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार, आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन, शिवेश राम और राम नाथ ठाकुर शामिल हैं।

शिवेश राम ने पहले विश्वास जताया था कि एनडीए के सभी पाँचों उम्मीदवार आसानी से जीत हासिल करेंगे क्योंकि गठबंधन के सभी विधायक एकजुट हैं। पत्रकारों से बात करते हुए शिवेश राम ने कहा कि हमारे पीछे प्रधानमंत्री मोदी देश के विकास के लिए काम कर रहे हैं। बिहार के सभी नेता एकजुट हैं और आज शाम बहुत अच्छे परिणाम आने वाले हैं।

निष्पक्ष चुनाव की तैयारी! असम में 5 नए एसएसपी तैनात, रिटायर्ड आईएएस को मिली विशेष पर्यवेक्षक की कमान

नई दिल्ली एजेंसी: भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर पांच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) की विभिन्न राज्यों में तैनाती की घोषणा की। आयोग ने निर्देश दिया कि ये नियुक्तियां तत्काल लागू की जाएं और अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने संबंधी अनुपालन रिपोर्ट 17 मार्च को प्रस्तुत की जाए। चुनाव आयोग ने असम के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि सोमलिन शुभदर्शनी (आईपीएस) को माजुली में एसएसपी, आर शीतल कुमार (आईपीएस) को दक्षिण सालमारा में एसएसपी, आंचाल चौहान (आईपीएस) को सादिया में एसएसपी, सुधाकर सिंह (आईपीएस) को चिरांग में एसएसपी और मोहन लाल मीना (आईपीएस-2016) को धेमाजी में एसएसपी के पद पर तैनात किया जाए। पत्र में आगे कहा गया है कि स्थानांतरित

किए गए अधिकारियों को चुनाव संपन्न होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, एक अलग अधिसूचना में, चुनाव आयोग ने (सेवानिवृत्त) आईएएस अधिकारी मनजीत सिंह को असम चुनावों के लिए अपना विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया। पत्र में लिखा था कि आपको असम विधानसभा चुनावों, 2026 की तैयारियों और संचालन का निरीक्षण करने के लिए समय-समय पर असम का दौरा करना होगा और आयोग को आवश्यक कार्रवाई के लिए अपने सुझाव देने होंगे। मनजीत सिंह के कर्तव्यों का निर्वहन असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समन्वय से किया जाएगा, जो सभी आवश्यक सामग्री, सुविधाएँ और प्रोटोकॉल सहायता प्रदान करेंगे। पत्र के अनुसार, चुनाव कार्यक्रम और विधानसभा क्षेत्रों की सूची संदर्भ के लिए संलग्न की गई थी। इस बीच, सर्वोच्च चुनाव आयोग ने छह राज्यों में आम चुनावों और उपचुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता के कड़ाई से पालन के निर्देश जारी किए। एक प्रेस विज्ञप्ति में, चुनाव आयोग ने लिखा कि इस घोषणा के साथ, चुनाव आयोग ने संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आचार संहिता (एमसीसी) को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश जारी किए हैं।

ईरान में तबाही के बीच बगदाद से लेबनान तक तेज हुए मिसाइल और ड्रोन हमले, तेहरान बोला- दुश्मनों के लिए होर्मुज बंद

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम एशिया इस समय बारूद के ढेर पर बैठा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच भड़कती जंग अब पूरे इलाके को अपनी चपेट में लेती जा रही है। हम आपको बता दें कि ताजा घटनाक्रम में अमेरिकी जेट विमानों ने ईरान के चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र के पास सैन्य ठिकानों पर जबरदस्त हमला किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हमले के बाद इलाके में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई दीं और पूरा इलाका दहल उठा। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र ईरान के सिस्तान बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तान की सीमा के नजदीक स्थित है और रणनीतिक नजरिये से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सहयोगी देशों पर दबाव तेज कर दिया है कि वे होरमुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने के लिए सैन्य और कूटनीतिक समर्थन दें। उल्लेखनीय है कि यह वही समुद्री मार्ग है जहां से दुनिया की तेल आपूर्ति का बहुत बड़ा हिस्सा गुजरता है। ट्रंप ने साफ चेतावनी दी है कि अगर सहयोगी देश इस जलमार्ग को सुरक्षित करने में मदद नहीं करते तो भविष्य में नाटो की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं। इसी मुद्दे पर ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर

से भी बातचीत की और वैश्विक व्यापार को पटरी पर लाने के लिए जलमार्ग खोलने की जरूरत पर जोर दिया। इस बीच, इजराइल और अमेरिका ने ईरान के अंदर हमलों का दायरा और तेज कर दिया है। तेहरान, हमदान और इस्फहान जैसे प्रमुख शहरों में नए हमले किए गए हैं। इजरायली सेना के प्रवक्ता एफी

इजराइल और अमेरिका ने ईरान के अंदर हमलों का दायरा और तेज कर दिया है। तेहरान, हमदान और इस्फहान जैसे प्रमुख शहरों में नए हमले किए गए हैं। इजरायली सेना के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने दावा किया है कि ईरान के भीतर अब भी हजारों सैन्य ठिकाने ऐसे हैं

डेफ्रिन ने दावा किया है कि ईरान के भीतर अब भी हजारों सैन्य ठिकाने ऐसे हैं जिन्हें निशाना बनाया जा सकता है। उनका कहना है कि अभियान अभी खत्म होने से बहुत दूर है और जरूरत पड़ी तो हमले और तेज होंगे। दूसरी ओर ईरान ने युद्धविराम की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने साफ कहा कि तेहरान ने अमेरिका से किसी भी तरह के युद्धविराम की मांग नहीं की है। उनका कहना है कि जब तक हमलों का खतरा बना रहेगा तब तक बातचीत का कोई औचित्य नहीं है। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी ने भी कहा है कि युद्ध का अंत तभी स्वीकार होगा जब वह पूरी तरह निर्णायक और स्थायी हो। उधर, जंग का असर अब पूरे पश्चिम एशिया में फैलता दिखाई दे रहा है। इराक की राजधानी बगदाद में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को रॉकेट और ड्रोन से निशाना बनाया गया। यहां अमेरिका का कूटनीतिक मिशन मौजूद है। वहीं बहरीन, कुवैत, कतर और सऊदी अरब ने दावा किया है कि उनके एअर डिफेंस सिस्टम ने कई ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि संघर्ष अब क्षेत्रीय टकराव का रूप लेता जा रहा है। लेबनान में भी हालात बेहद तनावपूर्ण हैं। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों पर नए हवाई हमले किए हैं और सीमा की ओर टैंक तथा सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक लेबनान में करीब आठ सौ पचास लोगों की जान जा चुकी है।

संपादकीय

सोनम वांगचुक की रिहाई के मायने

क्या राष्ट्रीय सुरक्षा की परिभाषा भी अब भाजपा की सुविधा के अनुसार तय होगी, यह गंभीर सवाल पर्यावरण कार्यकर्ता और मैगसेसे पुरस्कार विजेता सोनम वांगचुक की रिहाई के फैसले के बाद उठा है। 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। पहले तो यह सरकार यह बताने ही तैयार नहीं थी कि वे किस जेल में रखे गए हैं। फिर बताया गया कि वे जोधपुर जेल में हैं। सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) लगाया था। लेकिन शनिवार को अचानक मोदी सरकार को यह ज्ञान प्राप्त हुआ कि अब वांगचुक देश की सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं और उनकी रिहाई का आदेश दिया गया। पहले तो यह बात समझ से परे थी कि अपने राज्य के हक की बात करने में देश की सुरक्षा को कैसे खतरा हो सकता है। बता दें कि 2019 में जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग करने और उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला मोदी सरकार ने लिया था। तब वहां की जनता को भरोसा दिलाया गया था कि अब उन्हें अच्छे से हक मिलेंगे और उनके राज्य की तरक्की होगी। लेकिन लद्दाखी जनता से किए वादे केंद्र सरकार ने पूरे नहीं किए और न ही उनकी मांगों का अब तक कोई समाधान निकाला गया। लद्दाख के लोगों की कुछ प्रमुख मांगें हैं, जैसे-लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले। संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए, ताकि आदिवासी क्षेत्रों की सुरक्षा मिले। लेह और करगिल दोनों के लिए अलग-अलग परिषद हों और सरकारी नौकरियों की खाली जगहें भरी जाएं। इन्हीं मांगों को लेकर सोनम वांगचुक बीते साल से अलग-अलग मौकों पर आमरण अनशन और दिल्ली तक मार्च कर चुके हैं। अक्तूबर 2024 में उन्होंने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इसे छठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए लद्दाख से दिल्ली तक पैदल मार्च निकाला था। हालांकि दिल्ली पुलिस ने सिंधु बॉर्डर से उन्हें हिरासत में ले लिया था। साल 2025 में इसी मांग को लेकर 35 दिन की उनकी भूख हड़ताल के 15वें दिन 24 सितंबर को लेह में आंदोलन हिंसक हो गया जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी और तकरीबन 50 लोग घायल हुए थे। इसके लिए सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहराते हुए और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए हिरासत में लिया गया। उनकी हिरासत पर सवाल उठाते हुए उनकी पत्नी गीतांजलि जे एंग्मो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन इस पर सरकार बार-बार टालमटोल कर रही थी।

चिंतन-मनन

परमात्मा का दिव्य उपहार है जीवन

मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है। जिंदगी को जीना सीखें। कुछ लोग जिंदगी को जीते हैं, कुछ लोग काटते हैं। जिसको जीना और जाना आ गया वह जीवन में सफल हो गया। हे मनुष्य एक दिन भी जी, अटल विश्वास बनकर जी। ब्राह्मो मुहूर्ते बुध्येत, धर्मार्थौं चातुचिन्तयेत? अर्थात? व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागे और धर्म एवं अर्थ के विषय में चिंतन करें। शास्त्रकारों ने यह कभी नहीं कहा कि व्यक्ति अथोर्पार्जन न करे। वह अथोर्पार्जन करे किंतु धर्मपूर्वक, अधर्मपूर्वक नहीं।

हमें न तो आध्यात्मिकता की उपेक्षा करनी है न भौतिक सुख सुविधाओं की है। ब्रह्म मुहूर्त में व्यक्ति जितना अच्छा चिंतन कर सकता है उतना दूसरे समय में नहीं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह सर्वोत्तम समय है। बिल कोस्बो ने इस संदर्भ में कहा है कि मुझे नहीं मालूम कि कामयाबी पाने की पुंजी क्या है, पर हर आदमी को खुश करने की कोशिश करना ही नाकामयाबी की पुंजी है।

जीवन में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो प्रसन्न रहने की आदत डालिए, क्योंकि सफलता और प्रसन्नता का चोली दामन का साथ है। हम जो चाहें हमारे जीवन का जो लक्ष्य हो उसे पा लें यह सफलता है और जब मन चाहे लक्ष्य को पा लेंगे तो स्वभावतः प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। हम जिंदगी को काटे नहीं, सच्चे अर्थों में जीएं। हम निरंतर परिश्रम करें। जॉन एच रोटस ने अपने संदेश में कहा है- सिर्फ जिंदगी न गुजारो-जीओ, सिर्फ छुओ नहीं महसूस करो, सिर्फ देखो नहीं गौर करो, सिर्फ पढ़ो नहीं जीवन में उतारो।

हमारा जीवन बहिमुर्खी न होकर अंतमुर्खी होना चाहिए। उसमें उथलापन नहीं, आडंबर नहीं, गंभीरता होनी चाहिए। हमारे आदर्श ऊंचे होने चाहिए और विचार सात्विक। बाहरी साज-सज्जा, शरीर की चमक दमक से कोई व्यक्ति न तो महान बन सकता है, न ही सफलता उसके चरण चूमती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

युद्ध के दुष्प्रभाव से बचाव के लिए काम आई मोदी की कूटनीति

मनोज कुमार अग्रवाल

अमरीका और इजरायल के ईरान के साथ चल रहे विनाशकारी युद्ध के बीच पीएम मोदी और ईरान के राष्ट्रपति की वार्ता के बाद ईरान ने भारतीय जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का संकेत दिया है। ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली ने कहा कि भारत हमारा मित्र है और जल्द ही भारतीय जहाजों को रास्ता मिलेगा।

ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच वैश्विक ईंधन संकट गहराता जा रहा है। इस तनावपूर्ण माहौल में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान की नीति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि यह समुद्री रास्ता सबके लिए बंद नहीं है, बल्कि केवल चुनिंदा देशों के लिए प्रतिबंधित है।

बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की लगभग 20% तेल आपूर्ति का मुख्य रास्ता है। पिछले महीने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद से तेहरान ने इस मार्ग पर नाकेबंदी सख्त कर दी है जिससे तेल और गैस की सप्लाई रुक गई है और पूरी दुनिया में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं।आज के वैश्वीकरण के दौर में दुनिया के किसी भी हिस्से में होने वाला संघर्ष केवल स्थानीय नहीं रह जाता, बल्कि उसके प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जाते हैं। पश्चिम एशिसया में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव भी ऐसा ही एक उदाहरण है। भौगोलिक दृष्टि से भारत इन देशों से हजारों किलोमीटर दूर है, लेकिन आर्थिक, रणनीतिक और मानवीय संबंधों के कारण इस युद्ध के प्रभाव से भारत अछूता नहीं है। अमरीका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। उसके मुख्य नेता अयातुल्ला अली खामेनेई सहित वरिष्ठ नेताओं और महत्त्वपूर्ण सैन्य जरनैल इस हमले में मारे गए थे। इनका युद्ध तो चाहे दो सप्ताह पहले ही शुरू हुआ था, परन्तु ईरान और इजरायल की दुश्मनी दशकों पुरानी है। ईरान ने इजरायल का अस्तित्व मिटाने का पहले से ही संकल्प लिया हुआ है। इजरायल न सिर्फ उससे पूरी टक्कर ले रहा है अपितु नजदीक के कई अरब क्षेत्रों, जिनमें फिलिस्तीनियों ने शरण ली हुई है, पर भी समय-समय पर कब्जा करके वहां उसके द्वारा अपनी स्थायी बस्तियां बना ली गई हैं।चाहे लम्बी अवधि व्यतीत होने के बाद ज्यादातर अरब देश इजरायल के अस्तित्व को स्वीकार भी करने लगे हैं और उसके साथ किसी न किसी रूप में अपने संबंध भी बहाल कर रहे हैं परन्तु ईरान ने नजदीकी देश लेबनान में हिजबुल्ला जैसे कट्टर संगठन और यमन में हती संगठन के साथ-साथ गाजा पट्टी में हमास गुरिल्लों को दशकों से सहायता देकर उन्हें इजरायल से मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार किया हुआ है, जो समय-समय पर इस पर हमले भी करते रहते हैं। इस बार इस लड़ाई की शुरूआत भी गाजा पट्टी में प्रशासन चला रहे हमास संगठन द्वारा 7 अक्तूबर, 2023 को पहले इजरायल पर हमला किया गया था, जिसके बाद यह लड़ाई गम्भीर रूप धारण करती रही, जिसकी भेंट 80,000 से अधिक गाजा पट्टी में बसे हुए फिलिस्तीनी भी चढ़ गए परन्तु इसके साथ-साथ दोनों देशों की आपसी दुश्मनी लगातार और भी बढ़ती गई। अब शुरू हुई इस लड़ाई में जहां अमरीका द्वारा ईरान का प्रत्येक पक्ष से भारी नुकसान किया जा रहा है, वहीं ईरान की ओर से भी वैकल्पिक रूप में इजरायल और खाड़ी देशों के उन देशों पर हमले किए जा रहे हैं, जिनमें अमरीकी अड्डे स्थापित हैं। यह लड़ाई तेल और गैस से भरपूर खजानों वाले देशों में हो रही है, जिसका सीधा प्रभाव विश्व भर के देशों पर पड़ रहा है। कच्चे तेल के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में आयात की जाती महत्त्वपूर्ण खाद की भी बड़ी कमी महसूस की जाने लगी है। आपको बता दें भारत में 80 प्रतिशत से भी अधिक कच्चे तेल और यूरिया का आयात किया जाता है।

दो टूक- गैस की कतारों से उठते सवालः कितनी सुरक्षित है भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

दिलीप कुमार पाठक

ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बनता गैस संकट... मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है।

वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग 21 मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा ह्यचोकपॉइंटह्ल माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है।

भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है।

इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्त्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती।

इसके विपरीत एलपीजी के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एलपीजी को तरल रूप में सुरक्षित रखने के लिए अत्यधिक दबाव और विशेष टैंकों की आवश्यकता होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर इसका भंडारण करना महंगा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का कोई बड़ा सामरिक भंडार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एलपीजी का जो सीमित भंडार है, वह मुश्किल से दो-तीन दिन की खपत के बराबर ही है। परिणामस्वरूप जैसे ही आयात में थोड़ी भी बाधा आती है, उसका असर तुरंत बाजार और घरेलू उपभोक्ताओं पर दिखाई देने लगता है। यही वह संरचनात्मक कमजोरी है, जिसने मौजूदा संकट को गहरा बना दिया है।

इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में ह्यप्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाह्ल के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई गई है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में जहां देश में एलपीजी कनैक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, वहीं आज यह बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है किंतु इसका अर्थ यह भी है कि भारत की घरेलू ऊर्जा व्यवस्था अब एलपीजी के निरंतर प्रवाह पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हो गई है। जब इस प्रवाह में व्यवधान आता है तो उसका प्रभाव करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ता है।

संकट का असर केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है। उद्योग, होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भी बड़े पैमाने पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। जब आपूर्ति सीमित होती है तो सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों की गैस आपूर्ति घटाई जाती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके। परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, छोटे कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है और कई स्थानों पर रोजगार प्रभावित होते हैं। स्टील और धातु उद्योगों से लेकर ढाबों और छोटे भोजनालयों तक, अनेक क्षेत्र इस संकट की मार झेल रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे कच्चे तेल के प्रसंस्करण के दौरान एलपीजी की रिकवरी को अधिकतम करें। कुछ पैट्रोकेमिकल उत्पादों को अस्थायी रूप से रसोई गैस उत्पादन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो मंगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अस्थायी नियंत्रण लगाकर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ये सभी कदम तात्कालिक राहत प्रदान कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए इससे कहीं अधिक व्यापक नीति की आवश्यकता है।

दरअसल यह संकट केवल एक युद्ध का परिणाम नहीं है बल्कि यह भारत की ऊर्जा नीति के उस खालीपन की ओर संकेत करता है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडार बनाए गए, आपूर्ति स्त्रोतों का विविधीकरण किया गया और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार किया गया लेकिन एलपीजी और गैस सुरक्षा के लिए उसी स्तर की दूरदर्शिता नहीं दिखाई गई। यदि देश में एलपीजी का पर्याप्त सामरिक भंडार होता या गैस भंडारण अवसंरचना विकसित की गई होती तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। यह भी आवश्यक है कि पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार तेजी से किया जाए ताकि घरेलू ऊर्जा व्यवस्था केवल सिलेंडर आधारित मॉडल पर निर्भर न रहे।

ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आयाम है। जब किसी देश की रसोई, उद्योग और परिवहन व्यवस्था बाहरी आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर होती है तो वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं सीधे उसके भीतर अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यही कारण है कि विकसित देश ऊर्जा स्त्रोतों के विविधीकरण, वैकल्पिक ऊर्जा के विकास और बड़े पैमाने पर भंडारण की रणनीतियों पर लगातार काम करते रहते हैं। भारत को भी इसी दिशा में अधिक गंभीरता से आगे बढ़ना होगा। ऊर्जा संकट लंबे समय से विकसित हो रही संरचनात्मक चुनौतियों का परिणाम होता है। इस समय आवश्यकता है संयम, जिम्मेदारी और ठोस नीति निर्माण की। मध्य-पूर्व का संघर्ष कब समाप्त होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य स्थिति कब बहाल होगी, इसका स्पष्ट अनुमान फिलहाल किसी के पास नहीं है लेकिन इतना निश्चित है कि इस संकट ने भारत सहित पूरी दुनिया को यह सबक दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति जितनी वैश्विक है, उतनी ही नाजुक भी। यदि भविष्य में ऐसे संकटों से बचना है तो ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण, गैस भंडारण अवसंरचना का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार और घरेलू उत्पादन में वृद्धि जैसे कदम अनिवार्य होंगे अन्यथा हर वैश्विक संघर्ष के साथ भारतीय रसोई और अर्थव्यवस्था इसी तरह असुरक्षा और अनिश्चितता की आग में झुलसती रहेगी।

पांच राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में चुनावी बिगुल, भारतीय लोकतंत्र के नए अध्याय की ओर बढ़ता भारत

भारत जैसे विशाल व विविधताओं से भरे लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया भर नहीं होते,बल्कि वे लोकतंत्र की जीवंतता,जनमत की अभिव्यक्ति और जनता की आकांक्षाओं के नए अध्याय का उद्घोष भी करते हैं।जब भी चुनाव की घोषणा होती है,देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक नई हलचल दिखाई देने लगती है। यही दृश्य एक बार फिर सामने आया है, जब भारत निर्वाचन आयोग ने चार राज्यों व एक केन्द्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है।इस घोषणा के साथ ही देश के राजनीतिक गलियारों में चुनावी बिगुल बज चुका है और सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक सभी दल अपने-अपने रणनीतिक समीकरणों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।केन्द्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार असम में 9 अप्रैल को मतदान होगा और मतगणना 4 मई को की जाएगी। इसी प्रकार केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को मतदान निर्धारित किया गया है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान होगा,जबकि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में चुनाव संपन्न होंगे-पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा।इन सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया की औपचारिक शुरूआत हो जाती है। इसके साथ ही आचार संहिता लागू हो जाती है और चुनाव आयोग स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने की दिशा में अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने में जुट जाता है। प्रशासनिक मशीनरी भी सक्रिय हो जाती है,जबकि राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों के चयन,चुनावी रणनीति और प्रचार अभियान को गति देने लगते हैं।

भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ चुनाव केवल राजनीतिक दलों के लिए ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी उत्सव का रूप ले लेते हैं। गांवों की चौपालों से लेकर महानगरों के राजनीतिक मंचों तक हर जगह चुनावी चर्चा का माहौल बन जाता है।चाय की दुकानों,बाजारों और सामाजिक आयोजनों में लोग आगामी चुनावों के संभावित परिणामों को लेकर चर्चा करते दिखाई देते हैं।राजनीतिक विश्लेषकों और तथाकथित ह्यराजनीति पंडितोंह्ल के बीच भी संभावनाओं का आकलन और समीकरणों की गणना शुरू हो जाती है।इन चुनावों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि जिन राज्यों में मतदान होने जा रहा है,वे अपने-अपने क्षेत्रीय,सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।असम पूर्वोत्तर भारत का प्रमुख राज्य है, जहाँ की राजनीति में क्षेत्रीय पहचान, प्रवासन,विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे प्रमुख भूमिका निभाते रहे हैं।यहाँ का चुनावी परिणाम केवल राज्य की राजनीति को ही प्रभावित नहीं करता,बल्कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की व्यापक राजनीतिक दिशा को भी प्रभावित करता है।

दूसरी ओर दक्षिण भारत के दो महत्वपूर्ण राज्य–तमिलनाडु और केरल–भी इस चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा हैं।तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय से क्षेत्रीय दलों के प्रभाव में रही है,जहाँ द्रविड़ आंदोलन की विचारधारा ने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है।यहाँ चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं,बल्कि विचारधारात्मक संघर्ष का भी प्रतीक बन जाते हैं।केरल की राजनीति भी अपने आप में विशिष्ट है।यहाँ प्रायः दो प्रमुख राजनीतिक गठबंधनों के बीच सत्ता का परिवर्तन होता रहा है।वामपंथी और काग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच होने वाली यह प्रतिस्पर्धा भारतीय लोकतंत्र में वैचारिक विविधता का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करती है।वही हम पश्चिम बंगाल की बात करें तो यह राज्य लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रहा है। पं० बंगाल की राजनीतिक संस्कृति में विचारधारा, जन आंदोलनों और सामाजिक परिवर्तन की गहरी परंपरा रही है। हाल के वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बने हैं, जिसके कारण यह चुनाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दो चरणों में होने वाला मतदान इस बात का संकेत है कि प्रशासन और चुनाव आयोग इस राज्य में चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विशेष सतर्कता बरत रहा है।

केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी का चुनाव भले ही आकार में छोटा प्रतीत होता हो,लेकिन इसकी राजनीतिक संवेदनशीलता भी कम नहीं है।बंगाल की राजनीति में स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय दलों का प्रभाव भी देखा जाता है। यही कारण है कि इस छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणाम भी राष्ट्रीय राजनीति में एक संदेश देने की क्षमता रखते हैं।

चुनाव की घोषणा के साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सामने चुनौतियों का एक नया दौर शुरू हो जाता है। सत्ता पक्ष के लिए यह अवसर होता है कि वह अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के सामने रखे और विकास के आधार पर समर्थन प्राप्त करने का प्रयास करे। वहीं विपक्ष के लिए यह समय सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए जनता के सामने वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करने का होता है।राजनीतिक दलों के लिए उम्मीदवारों का चयन भी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है।प्रत्येक दल इस बात का ध्यान रखता है कि उसका उम्मीदवार न केवल लोकप्रिय हो,बल्कि स्थानीय सामाजिक समीकरणों को भी संतुलित कर सके। जातीय, क्षेत्रीय और सामाजिक कारक कई बार उम्मीदवारों के चयन में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।यही कारण है कि टिकट वितरण के समय कई बार दलों के भीतर भी असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।चुनावी प्रचार अभियान भी लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण और रोचक पहलू होता है।रैलियाँ ,जनसभाएं, रोड शो और सोशल मीडिया अभियान के माध्यम से राजनीतिक दल अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। आज के डिजिटल युग में चुनावी प्रचार का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन संवाद और डिजिटल प्रचार के माध्यम से राजनीतिक दल युवाओं और शहरी मतदाताओं तक अपनी पहुंच बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।इन चुनावों में स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय मुद्दों की भी चर्चा होना स्वाभाविक है।विकास, रोजगार शिक्षा,स्वास्थ्य,बुनियादी ढांचा और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषय मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करते हैं।साथ ही कई बार क्षेत्रीय पहचान,सांस्कृतिक अस्मिता और स्थानीय समस्याएं भी चुनावी विमर्श का केंद्र बन जाती हैं।

भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए। इसके लिए सुरक्षा बलों की तैनाती,मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सुरक्षा और मतगणना की पारदर्शिता जैसे अनेक पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण यही है कि इतने विशाल देश में करोड़ों मतदाता शांतिपूर्वक मतदान की प्रक्रिया में भाग लेते हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपना विश्वास व्यक्त करते हैं।चुनाव केवल राजनीतिक दलों के लिए नहीं, बल्कि जनता के लिए भी अपने अधिकार और जिम्मेदारी के प्रदर्शन का अवसर होते हैं।

इन चार राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में होने वाले चुनावों को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों के बीच भी व्यापक चर्चा और अनुमान का दौर शुरू हो चुका है।कौन सा दल किस राज्य में बढ़त बनाएगा, किस गठबंधन को जनता का समर्थन मिलेगा और किन मुद्दों का प्रभाव अधिक रहेगा-इन सभी प्रश्नों पर निरंतर विचार-विमर्श जारी है।हालांकि अंतिम निर्णय अंततः जनता के हाथ में होता है।मतदाता ही लोकतंत्र के वास्तविक निर्णायक होते हैं और उनकी पसंद ही यह तय करती है कि सत्ता की बागडोर किसके हाथों में जाएगी।अंततः कहा जा सकता है कि चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक नया अध्याय प्रारंभ हो गया है।आने वाले दिनों में चुनावी रैलियों, राजनीतिक बहसों और जनसंवाद का वातावरण और भी तीव्र होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में उतरेंगे,लेकिन अंतिम फैसला लोकतंत्र के असली नायक - राज्यों के मतदाता -ही करेंगे।

भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की यही विशेषता है कि यहां जनता का मत सर्वोपरि माना जाता है।इसलिए इन चुनावों को केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं,बल्कि लोकतंत्र के महोत्सव के रूप में देखा जाना चाहिए,जिसमें देश का प्रत्येक जागरूक नागरिक अपनी भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाता है।

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

किसानों की समस्याओं को सुनकर त्वरित समाधान करते: अवनीश कुमार श्रीवास्तव

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में जिला उद्यान अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव किसानों के हित में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश उद्यान विभाग के अंतर्गत जिला उद्यान अधिकारी के रूप में सक्रिय हैं। उनका फोकस बागवानी विकास, MIDH योजना व फल पत्तियों योजना तथा अनुसूचित जाति के कृषकों के मध्य योजनाओं का जनपद में सफल संचालन किया गया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, के अंतर्गत लगभग 1850 हेक्टेयर में टपक एवं फव्वारा सिंचाई दिए गए लक्ष्य को सत प्रतिशत पूर्ण करते हुए फल-सब्जी उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय दोगुनी करने वाली योजनाओं पर है। अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इनमें फल, फूल, सब्जियों की उन्नत खेती, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन और संरक्षित खेती (पॉलीहाउस, शेड नेट) पर जोर दिया जाता है। मुख्यमंत्री राज्य उद्यानिक विकास योजना (राज्य सेक्टर) में अमरोहा ने निर्धारित लक्ष्य पूरे किए हैं, जिससे किसानों को सब्सिडी, गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री और तकनीकी सहायता मिल रही है। वे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्रशिक्षण देते हैं, ताकि वे बागवानी से जुड़े उद्यम शुरू कर सकें। अमरोहा ट्रेड फेयर जैसे आयोजनों में स्वदेशी अभियान को बढ़ावा देते हुए किसानों से सीधा संवाद करते हैं। ग्राम चौपाल और विकास भवन सभागार में योजनाओं की जानकारी देते हुए आवेदन प्रक्रिया सरल बनाते हैं। उनके प्रयासों से जनपद में फसल विविधीकरण बढ़ा है। किसान अब आम, अमरूद, केला, गेंदा, गुलाब जैसी नकदी फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। परंपरागत खेती से हटकर आधुनिक तकनीक अपनाने से उत्पादन और आय में सुधार आया है। श्रीवास्तव किसानों की समस्याओं को सुनते और विभागीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करते हैं।उनका दृष्टिकोण है कि बागवानी से न केवल आर्थिक मजबूती आएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा। अमरोहा के किसान उनके मार्गदर्शन से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। ऐसे अधिकारी जनपद के लिए वरदान हैं, जो योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचा रहे हैं।

सरकारी योजनाओं के लाभ हेतु किसानों की 'फार्मर रजिस्ट्री' अनिवार्य :- एसडीएम धनौरा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य कर दिया गया है ,क्योंकि भविष्य में सभी सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे तौर पर इसी रजिस्ट्री से जोड़ा जाएगा, इसके बिना किसान सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं। बता दें कि सोमवार को धनौरा एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बताया कि तहसील क्षेत्र में शत प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने विशेष अभियान शुरू किया है ,जिसके तहत एक रोस्टर तैयार किया गया है, जिसके अनुसार राजस्व लेखपाल गांव जाकर घर-घर सर्वे कर रहे है इस अभियान का मुख्य उदेश्य प्रत्येक पात्र किसान का डाटा डिजिटल रूप से सुरक्षित करना और पारदर्शिता बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, खाद बीज पर सब्सिडी और अन्य कृषि कल्याणकारी योजनाएं फार्मर रजिस्ट्री से लिंक कर दी जाएगी। उन्होंने किसानों को जल्द से जल्द अपनी रजिस्ट्री पूरी करने की अपील की है। इसे पहचान और हक सुरक्षित करने का सशक्त माध्यम बताया है। प्रशासन ने किसानों की सुविधा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाया है ,किसान स्वयं अपने मोबाइल से पोर्टल पर जाकर या जनसेवा केंद्रों के माध्यम से या गांव में तैनात पंचायत सहायक क्षेत्रीय लेखपाल की मदद से अपनी रजिस्ट्री करा सकते हैं एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने सभी किसानों से अनुरोध किया है कि वह सर्वे के दौरान लेखपालों को सही जानकारी उपलब्ध कराएं और इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग दें।

जनगणना के लिए फील्ड ट्रेनरों के द्वितीय बैच का प्रशिक्षण शुरू

अमरोहा (सब का सपना):- जनगणना-2027 (प्रथम चरण-मकानों के सूचीकरण एवं मकानों की गणना हेतु पैनासिया कालेज ऑफ फैशन डिजायन, जोया रोड अमरोहा में जिला-स्तरीय 03 दिवसीय फील्ड ट्रेनर के द्वितीय बैच का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। यह प्रशिक्षण 16 से 18 मार्च तक होना है। उक्त प्रशिक्षण जिले के 02 मास्टर ट्रेनर अमल यादव एवं आलोक कुमार एवं जनगणना कार्य निदेशालय लखनऊ के व्यास नन्दन, जिला प्रभारी अमरोहा द्वारा कुल 32 फील्ड ट्रेनरों को प्रदान किया जा रहा है। द्वितीय बैच के प्रशिक्षण हेतु उप जिलाधिकारी चंद्रकांता को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उप जिलाधिकारी द्वारा फील्ड ट्रेनरों को निर्देश दिये गए कि समय के अनुसार प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित रहे एवं प्रशिक्षण से संबंधित समस्याओं और जिज्ञासाओं का निराकरण करें। प्रशिक्षण के दौरान संपूर्ण कवरेज एवं सही आंकड़े इकट्ठा करने संबंधी निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त उप जिलाधिकारी द्वारा जनगणना के आंकड़ों की उपयोगिता के महत्व को बताया गया। जनगणना- 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना 22 मई से 20 जून, 2026 तक होगी।

द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना होगी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का विवरण दर्ज होगा 9 से 28 फरवरी, 2027 तक होगी। इसके बाद 1 से 5 मार्च, 2027 तक पुनरीक्षण राउंड चलाया जाएगा। जनगणना-2027 के लिए जिले से दो मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 17 से 21 फरवरी तक मुख्यालय लखनऊ में कराया गया है। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जिले में फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

धनौरा में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर,दोनों बाइक सवार घायल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई जिसमें दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को मौके पर मौजूद राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद घर भेज दिया गया। बता दें कि पूरा मामला थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के धनौरा-चांदपुर मार्ग स्थित पत्थर कुटी गांव के निकट का है जहां पर सोमवार की दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई ,इस टक्कर में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई, जिन्होंने आनन-फानन में एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। इस मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार इस हादसे में जनपद बिजनौर के तहसील चांदपुर के गांव रामपुर नजराना निवासी मुनासिब उम्र करीब 35 वर्ष पुत्र आबिद एवं वकील पुत्र अनवर निवासी ग्राम चुचैला कलां मंडी धनौरा घायल हो गए। बताया जा रहा है कि आबिद अपनी बाइक से धनौरा से चांदपुर की ओर जा रहा था जैसे ही वह पत्थरकुटी गांव के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे बाइक सवार वकील की बाइक से उनकी आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। वहीं घायल मुनासिब ने बताया कि उसने अचानक बाइक पर से नियंत्रण खो दिया था जिस कारण दोनों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों चालक सड़क पर गिरकर लहुऊ हो गए। मौके पर मौजूद राजगीरों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू करते हुए एंबुलेंस को सूचना दी और दोनों घायलों को तत्काल धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया ।वहीं धनौरा सीएससी प्रभारी डॉ राहुल कुमार ने बताया कि अस्पताल ले दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर दिया गया है फिलहाल दोनों की हालत स्थिर है और उन्हें घर भेज दिया गया है।

धनौरा सीएससी में पीएमएसएमए,टीकाकरण दिवस के अवसर पर बीमारियों से मुक्ति का लिया गया संकल्प

धनौरा/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' एवं 'राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस' का आयोजन किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की व्यापक जांच की गई वहीं स्वास्थ्य कर्मियों ने देश को घातक बीमारियों से मुक्त कराने का संकल्प भी लिया ।मातृ मृत्यु दर कम करने के उद्देश्य से आयोजित 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' दिवस पर द्वितीय एवं तृतीय त्रैमास की गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया गया ।सीएससी प्रभारी डॉक्टर राहुल कुमार ने बताया कि अभियान का मुख्य लक्ष्य उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रेगनेंसी) वाली महिलाओं की पहचान करना है ताकि प्रसव के दौरान होने वाले जटिलताओं को कम किया जा सके। डॉ राहुल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार गर्भवती महिलाओं को सभी जांचों के साथ-साथ निशुल्क अल्ट्रासाउंड की सुविधा प्रदान कर रही है जिन सरकारी केंद्रों पर अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध नहीं है वहां पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड के तहत निजी केंद्रों को पंजीकृत किया गया है महिला मैन्युअल वाउचर के माध्यम से इन निजी केंद्रों पर मुक्त जांच करा सकती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की गोलियां भी वितरित की गई और उचित पोषण की जानकारी दी गई ।अभियान की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी जांच रिपोर्ट शाम 4:00 बजे तक पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त उच्च रिजोल्यूशन के फोटो भी पीएमएसएमए पोर्टल पर साझा किया जा रहे हैं। इस क्रम में अस्पताल परिसर में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस भी उत्साह पूर्वक मनाया गया। डॉक्टर राहुल कुमार के नेतृत्व में समस्त स्टाफ ने देश से घातक बीमारियों को जड़ से समाप्त करने की शपथ ली ।इस अवसर पर डॉक्टर अनामिका सिंह, डॉक्टर सीमा, डॉक्टर परवेज, डॉक्टर सोनम रस्तोगी, डॉक्टर निशिका कौशिक, डॉक्टर कुलदीप शर्मा, सुनील कुमार, नरेंद्र सिंह, मुस्कान कटियार, कृष्ण शर्मा, मोहित बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, संदीप सैनी, शैली यादव एवं अमित कुमार सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा

पीएम आवास योजना शहरी-2.0 के अंतर्गत यूपी में 90 हजारों परिवारों को 900 करोड़ की अनुदान राशि का दिया गया अनुदान

अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 के अंतर्गत यूपी में 90 हजारों परिवारों को 900 करोड़ की अनुदान राशि का लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे अंतरण किया गया। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लों की अध्यक्षता में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की उपस्थिति में जनपद अमरोहा में 2175 लाभार्थी परिवारों को भी पक्के मकान हेतु 01 लाख रुपए की पहली किश्त की धनराशि उनके खाते में अंतरित की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का लखनऊ से सजीव प्रसारण को उपस्थिति लोगों द्वारा देखा व सुना गया। जनप्रतिनिधियों द्वारा उपस्थित महिला लाभार्थियों को 01 लाख रुपए का प्रतीकात्मक चैक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि लाभार्थियों को सस्ती कीमत में सामान उपलब्ध कराने,मकान के साथ शौचालय, पेयजल हेतु नल, विद्युत कनेक्शन आदि की भी संबंधित विभाग द्वारा चिंता की जाए। जिलाधिकारी ने कहा की जो आज एक लाख की किस्त आपके खाते में दी गई है उसका प्रयोग सिर्फ घर बनाने में किया जाए किसी अन्य कार्य में उपयोग न करें। द्वितीय और तृतीय किस्त तभी जारी की जाएगी जब शासनादेश अनुसार आप पहली किस्त का उपभोग कर लेंगे। उन्होंने उपस्थित लाभार्थियों से कहा कि आप उज्ज्वला योजना आयुष्मान राशन पेंशन आदि के लिए पात्र है तो उसके फार्म भरवा दे ताकि आपको उस योजना का लाभ प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में अध्यक्ष अमरोहा नगर पालिका परिषद शशि जैन, नगर पालिका परिषद हसनपुर अध्यक्ष राजपाल सैनी, नगर पालिका परिषद धनोरा अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, भाजपा महामंत्री अभिनव कौशिक, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) गरिमा सिंह, अपर उप जिलाधिकारी मशीहा नजम सहित अन्य संबंधित अधिकारी आदि मौजूद रहे।

16 वर्षीय किशोर लापता, अगर कही दिखे तो तुरंत दे सूचना

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जिले के रहरा थाना क्षेत्र से एक 16 वर्षीय किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है। रहरा गांव निवासी अंकित पुत्र हिम्मत सिंह ने 12 मार्च 2026 को थाने में सूचना दर्ज कराई कि उनका भाई दिपांशु (उम्र लगभग 16 वर्ष), जो मानसिक रोग से पीड़ित है, 10 मार्च की शाम करीब 6:30 बजे घर से बस स्टैंड रहरा की ओर निकला था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। इस प्रकरण में थाना रहरा में मुकदमा संख्या 57/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। लापता दिपांशु का रंग गेहूंआ, काले घने बाल 5 फुट 2 इंच की लंबाई व उसने क्रीम कलर की शर्ट और हरे रंग की पैंट पहने हुए हैं परिजनों और पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को दिपांशु के बारे में कोई जानकारी मिले तो तो वह 9454403678, 8700425205, 9105394738 दिए गए इन नंबरों पर संपर्क करें।

भाकियू (टिकैत) गुट ने किसान एवं जनसमस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन,दी आन्दोलन की चेतावनी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को एसडीएम विभा श्रीवास्तव को किसानों एवं जनसमस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन को प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार के नेतृत्व में उपजिला अधिकारी को सौंपकर विभिन्न जन समस्याओं के समाधान की मांग की गई। इस दौरान चेतावनी दी गई है कि यदि किसानों और क्षेत्र की समस्याओं का जल्द निस्तारण नहीं हुआ तो संगठन उग्र आंदोलन करेगा। बता दें कि सोमवार को एसडीएम विभा श्रीवास्तव को सौंपे गये इस ज्ञापन में ग्राम पिपली तगा में 132 केवी के बिजली घर से संबंधित समस्या प्रमुखता से उठाई गई जिसमें बताया गया कि बिजली घर शुरू होने के बावजूद यहां विद्युत उपकेंद्र ना होने से स्थानीय ग्रामीणों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। भाकियू ने मांग की है कि पीपली तगा बिजली घर को तत्काल कौशल विद्युत उपकेंद्र से जोड़ा जाए। इसके अतिरिक्त धनौरा शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए एक महत्वपूर्ण मांग रखी गई जिसमें यूनियन ने धनौरा नौगांवा रोड से धनौरा अमरोहा रोड तक मध्य गंगा नहर की दोनों पटरियों पर पक्का रोड बनवाने की अपील की गई है इससे भारी वाहन शहर के बाहर से गुजर सकेंगे और यातायात सुगम होगा। किसानों ने खतौनी में अंश निर्धारण की त्रुटियों को सुधारने की भी मांग की। तहसील क्षेत्र में बढ़ते आवारा पशुओं और बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए गुहार लगाई गई, कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से पारा खालसा गांव में घूम रहे दो खूंखार आवारा पशुओं को तुरंत पकड़वाने की मांग की जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त है । इसके अलावा प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है

कि किसानों की समस्याओं को हल्के में ना लिया जाए उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि समय रहते इन मांगों पर प्रभावी कार्यवाही नहीं हुई तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर भारत सिंह त्यागी, जोगेंद्र सिंह ,रामकुमार सिंह, झूंडे सिंह, रवि कुमार, मुकेश शर्मा, उपकार त्यागी डीलर और सत्यवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों को लेकर की गई समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, फैमिली आईडी, ई ऑफिस और कैच द रैन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने 3-3 दिनों के मेगा कैंप लगाकर फैमिली आईडी बनाने के निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर योजना में विभागवार प्रगति जानते हुए खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए सुधार करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन, दिव्यांगजन पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने सभी संबंधित विभागों को परिवारों के होने वाले पुनः सत्यापन को अभियान चलाकर शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कैच द रेन अभियान के पोर्टल जल संचय जन भागीदारी पोर्टल की समीक्षा की गई स्थल चिह्नित कर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराया जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त संबंधित विभाग स्थल चयन कर जल संरक्षण संरचनाएं की कार्ययोजना तैयार कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। निर्देश दिए कि स्वयं से संबंधित पूर्ण कार्यों को जल संचय जन भागीदारी पोर्टल पर आवश्यक रूप से अपलोड करें। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि अखियां ऐसी अपलोड करें जो पढ़ने में और समझने में आ सके। शिकायत गुणवत्तापूर्ण और शिकायतकर्ता संतुष्ट होना चाहिए। उन्होंने ऐसे विभागों को कड़ी नाराजगी व्यक्त की इसकी 100% असंतुष्ट है। उन्होंने शिकायतकर्ता जो शत प्रतिशत संतुष्ट है उन विभागों की प्रशंसा की। निधि गुप्ता वत्स ने निर्देशित किया कि लक्ष्यों को पूर्ण करने में कोई कोताही न बरते और रैंकिंग में सुधार लाएं। जिन विभागों की खराब रैंक आई है वो कारणों को चिन्हित कर दूर करते हुए रैंकिंग में सुधार लाएं। निर्देशित किया कि सभी विभाग समय पर फीडिंग करें। जिलाधिकारी द्वारा सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रही रैंकिंग पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि खराब रैंकिंग वाले विभाग सुधार लाएं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर फीड होने वाले समस्त आंकड़ों को समयबद्ध एवं सटीक रूप में अपडेट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) गरिमा सिंह, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र कुमार, उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन बहजोई में पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी आयोजित, समस्याएं सुनी गई

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में सोमवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक, मुरादाबाद परिक्षेत्र द्वारा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के साथ जनपद के पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान पेंशनर्स की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने कहा कि पुलिस विभाग अपने सेवानिवृत्त कार्मिकों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार ने पेंशनर्स को आश्वस्त किया कि जनपद स्तर पर उनकी पेंशन, चिकित्सा, पारिवारिक लाभ और अन्य लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। साथ ही पेंशनर्स से अपील की गई कि वे अपनी किसी भी समस्या के संबंध में सीधे कार्यालय या निर्धारित माध्यमों से अवगत कराएं, ताकि उसका जल्द समाधान किया जा सके। गोष्ठी का उद्देश्य सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित करना, उनकी समस्याओं का समाधान करना और विभागीय परिवार के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना रहा।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पेंशनर्स ने पुलिस विभाग के इस सकारात्मक प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सभी पुलिस पेंशनर्स को अनुभव दर्शन पत्रिका भी भेंट की गई। गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी दीपक कुमार, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस कार्यालय का डीआईजी ने किया वार्षिक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस उपमहानिरीक्षक, मुरादाबाद परिक्षेत्र मुनिराज ने सोमवार को पुलिस कार्यालय सम्भल का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गार्द की सलामी ली। निरीक्षण के समय कृष्ण कुमार पुलिस अधीक्षक सम्भल भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने पुलिस कार्यालय परिसर का भ्रमण कर वाचक कार्यालय, आंकिक शाखा, प्रधान लिपिक शाखा, डीसीआरबी, शिकायत प्रकोष्ठ तथा विशेष जांच प्रकोष्ठ सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित रजिस्टरों और अभिलेखों का सूक्ष्म अवलोकन करते हुए उनके सुव्यवस्थित रख-रखाव, समयबद्ध निस्तारण तथा अभिलेखों को अद्यावधिक रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निष्ठा, मेहनत, लगन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की हिदायत दी। साथ ही कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

तूफान और बारिश में गन्ना करेशन का मलबा गिरा, सो रहे मजदूर की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद क्षेत्र में तेज तूफान और बारिश के दौरान गन्ना करेशन में बड़ा हादसा हो गया। करेशन परिसर में सो रहे एक मजदूर के ऊपर अचानक मलबा गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद साथी मजदूरों और परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार नजीबाबाद के कोटद्वार रोड स्थित एक गन्ना करेशन में काम करने वाला मजदूर शिवम रात के समय करेशन परिसर में ही सो रहा था। इसी दौरान तेज आंधी और बारिश के कारण करेशन का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया और मलबा सीधे उसके ऊपर आ गिरा। हादसा इतना अचानक हुआ कि शिवम को संभलने का मौका भी नहीं मिल सका और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वहां मौजूद मजदूरों और स्थानीय लोगों ने शोर मचाया और मलबे से शिवम को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक मजदूर की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोग घटना से गहरे सदमे में हैं और गांव में भी शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मजदूर के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। इस संबंध में एसडीएम नजीबाबाद ने बताया कि घटना की जानकारी मिल गई है। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया कराई जाएगी।

ग्राम प्रधान ने ग्रामीणों की बैठक कर पांच साल का लेखा जोखा ग्रामीणों के बीच रखा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- विकास की रफ्तार और पारदर्शिता को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान सोमवती दिवाकर की अध्यक्षता और ग्राम सचिव गौरव कुमार की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में पिछले पाँच वर्षों के कार्यकाल का लेखा-जोखा ग्रामीणों के सामने रखा गया। बैठक के दौरान प्रधान पुत्र श्याम दिवाकर ने गांव में हुए कायाकल्प की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप गांव के विकास के लिए । गांव में अस्पताल की सुविधा सुनिश्चित की गई ।अस्पताल का 90%कार्य पूर्ण हो चुका है ।जलभराव की समस्या खत्म करने के लिए सी.सी. टाइल्स रोड का निर्माण कराया गया। पंचायत भवन का निर्माण कराया गया, जिससे ग्रामीणों को सरकारी कार्यों के लिए बाहर न भटकना पड़े ।सार्वजनिक और व्यक्तिगत शौचालयों का बड़े स्तर पर निर्माण। शिक्षा पर जोर देते हुए बताया गया कि गांव में पीएम श्री विद्यालय योजना के तहत स्कूल का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। श्याम दिवाकर ने बताया कि विद्यालय का 95% निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है उच्च स्तर शिक्षा कार्य जारी है । शेष कार्य को जल्द पूरा कर इसे छात्र-छात्राओं को समर्पित कर दिया जाएगा। बैठक में विकास कार्यों की सराहना के साथ-साथ ग्रामीणों ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा भी उठाया। ग्रामीणों ने बताया कि चकबंदी प्रक्रिया (धारा 52) फरवरी 2025 में ही पूर्ण हो चुकी है और समस्त अभिलेख तहसील में जमा हैं। इस आधार पर ग्रामीणों ने मांग की ।गांव की सरकारी बचत भूमि पर गरीब और भूमिहीन व्यक्तियों को पट्टा आवंटन की प्रक्रिया समान भूमि व हरिजन बस्ती में जल्द से जल्द पूर्ण की जाए।

बैठक में मुख्य रूप से अतराज सिंह, अली हुसैन, रहीश, नत्थू सैफी, अनिल कुमार राघव, रामकिशोर, बाबू राम, कल्याण सिंह और भूरे सिंह गिरिराज सिंह, जुगेंद्र पाल, हरद्वारी लाल, विनय पाल, भूरे सैफी,सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे। अंत में ग्राम प्रधान सोमवती दिवाकर ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी पारदर्शिता के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया।

सीएम डैशबोर्ड समीक्षा में डीएम सख्त, डी और सी रैंक वाले अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में सीएम डैशबोर्ड, सीएमआईएस पोर्टल पर दर्ज निर्माण कार्यों और विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर डी और सी रैंक प्राप्त करने वाले विभागीय अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए मुख्य विकास अधिकारी को ऐसे अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड शासन की योजनाओं की निगरानी का महत्वपूर्ण डिजिटल माध्यम है, जिसके जरिए सभी योजनाओं और कार्यक्रमों की रियल टाइम मॉनिटरिंग होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में जिले की रैंकिंग में गिरावट नहीं आनी चाहिए और सभी अधिकारी अपनी-अपनी योजनाओं की प्रगति बढ़ाने के लिए गंभीरता से कार्य करें। बैठक में बी रैंक प्राप्त करने वाले विभागीय अधिकारियों को भी चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि कार्यों में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ तो उनके खिलाफ भी प्रतिकूल प्रविष्टि की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाने और शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सीएम डैशबोर्ड और आईजीआईएस की समीक्षा बैठक हर माह दो बार आयोजित की जाएगी। समीक्षा के दौरान कृषि सम्मान निधि, शहरी विद्युत सप्लाई, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना, पंचायत राज तथा राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना सहित कई विभागों की रैंकिंग कम पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद जिलाधिकारी ने सीएमआईएस पोर्टल पर दर्ज विकास और निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अपूर्ण परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने और पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को संबंधित विभागों को तत्काल हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क, पुल निर्माण, कृषि, सिंचाई और लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की भी बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) और एनुअल सर्वे ऑफ अनइनकॉर्पोरेटेड सेक्टर एंटरप्राइजेज (अरवरए) की प्रगति पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि ये सर्वेक्षण नीति निर्माण के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, इसलिए डेटा संग्रहण में पूरी शुद्धता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दिनकर भारती, उपायुक्त मनरेगा आरबी यादव, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

समाज के हित-साधन की साधना है पत्रकारिता:- एल. वेंकटेश्वर लू

समाधान आधारित पत्रकारिता से समाज में लाया जा सकता है सकारात्मक बदलाव

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रांतीय सम्मेलन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव (समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण) एल. वेंकटेश्वर लू ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों का प्रसारण भर नहीं, बल्कि समाज के हित-साधन की एक महत्वपूर्ण साधना है। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाधान आधारित पत्रकारिता की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। यदि पत्रकार समस्याओं के साथ-साथ उनके समाधान को भी सामने लाएं तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज और शासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं। पत्रकारों की निष्पक्ष और जिम्मेदार रिपोर्टिंग से समाज में जागरूकता बढ़ती है तथा शासन-प्रशासन को भी जनसमस्याओं की सही जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधिकारी बिजनौर जसजीत कौर ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की निष्पक्ष, तथ्यपूर्ण और जिम्मेदार रिपोर्टिंग से समाज में विश्वास और पारदर्शिता मजबूत होती है। इस अवसर पर सीडीओ बिजनौर तथा एसडीएम चांदपुर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे और पत्रकारों के कार्य की सराहना की। सम्मेलन में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह सहित संगठन के अनेक पदाधिकारियों और विभिन्न जिलों से आए जिला अध्यक्षों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने पत्रकारिता को जनसेवा का सशक्त माध्यम बताते हुए

पत्रकारों से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में पत्रकारों की उपस्थिति रही और पत्रकारिता के समक्ष मौजूद चुनौतियों तथा उनके समाधान पर सार्थक चर्चा की गई।

ईद को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक, खरीदारी के लिए उमड़ रही भीड़

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- ईद के त्योहार को लेकर बहजोई के बाजारों में इन दिनों जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। त्योहार नजदीक आते ही लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजारों में देर रात तक चहल-पहल बनी हुई है। बाजारों में कपड़ों की दुकानों से लेकर जूता-चप्पल, सेवइयां और फेनी की दुकानों पर ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ दिखाई दे रही है। महिलाएं, युवक और बच्चे अपनी पसंद के कपड़े और अन्य सामान खरीदने में जुटे हैं। वहीं मिठाई और किराना दुकानों पर भी सेवइयां और फेनी की खरीदारी जोरों पर चल रही है। दुकानदारों का कहना है कि ईद के करीब आते ही बाजारों में ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे कारोबार में भी तेजी आई है। शाम होते ही बाजार पूरी तरह गुलजार हो जाते हैं और देर रात तक खरीदारी का सिलसिला चलता रहता है। त्योहार को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और सभी अपने परिवार के साथ ईद की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

दो अवैध पैथोलॉजी लैब सील, निरीक्षण में नहीं मिले वैध दस्तावेज

सम्भल(सब का सपना):- नगर मजिस्ट्रेट ने सोमवार दोपहर शहर में चल रही पैथोलॉजी लैबों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान दो लैब अवैध रूप से संचालित पाई गईं, जिन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। पहला निरीक्षण मोहल्ला आलम सराय स्थित तिरंगा मार्केट में नंदन स्वीट्स के बराबर गली में संचालित लाइफ सेवर पैथोलॉजी लैब का किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान के बाहर किसी भी प्रकार का पैथोलॉजी लैब का बोर्ड नहीं लगा मिला। मौके पर लाइफ सेवर पैथोलॉजी, डॉ. लाल पैथ लैब और पैथ केयर के लेटर पैड पाए गए। लैब में विनय पुत्र राजपाल निवासी ग्राम खिरनी मोहिउद्दीनपुर मौजूद मिले, जिन्होंने बताया कि लैब के संचालक दुर्गेश सैनी निवासी शहजादी सराय सम्भल हैं। निरीक्षण के दौरान लैब में जांच से संबंधित मशीनें, सेल काउंटर और लैपटॉप भी पाए गए। लैब संचालक को मौके पर बुलाने के लिए कहा गया, लेकिन काफी इंतजार के बाद भी वे उपस्थित नहीं हुए और न ही संचालन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। इसके बाद नोडल क्वैक्स डॉ. मनोज से जानकारी ली गई, जिन्होंने बताया कि उक्त लैब का पंजीकरण मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में नहीं है। इस पर प्रथम दृष्टया अवैध संचालन पाए जाने के कारण लैब को वैध अभिलेख प्रस्तुत करने तक सील कर दिया गया। इसके पश्चात नगर मजिस्ट्रेट ने रोडवेज के सामने सैयद मार्केट स्थित मैक्स पैथोलॉजी लैब का भी निरीक्षण किया। यहां भी दुकान के बाहर कोई बोर्ड नहीं लगा मिला और निरीक्षण में मैक्स पैथोलॉजी, मैक्स पैथ लैब व एच.वाई पैथो लैब के लेटर पैड मिले। मौके पर रजा-उल हसन पुत्र मोहम्मद शमी निवासी सैफ खां सराय मौजूद मिले, जिन्होंने बताया कि लैब के मालिक मोहम्मद वसी हैं। निरीक्षण के दौरान लैब में जांच मशीनें, सेल काउंटर और कंप्यूटर भी पाए गए। उस समय एक व्यक्ति अपनी जांच कराने के लिए मौजूद था। लैब संचालक को बुलाने के बावजूद वे मौके पर नहीं पहुंचे और कोई वैध दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए गए। डॉ. मनोज, नोडल क्वैक्स से जानकारी लेने पर पता चला कि इस लैब का भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में पंजीकरण नहीं है।

इस पर नगर मजिस्ट्रेट ने इसे भी अवैध रूप से संचालित पाते हुए तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीकरण और वैध अभिलेखों के किसी भी पैथोलॉजी लैब का संचालन नहीं करने दिया जाएगा और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी

आंधी-तूफान से 33 केवी लाइन पर पेड़ गिरा, छः घंटे ठप रही बिजली आपूर्ति

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि आई तेज आंधी-तूफान के कारण 33 केवी विद्युत लाइन पर पेड़ गिरने से नगर की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इससे पूरी रात लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जेई मोईनुद्दीन ने बताया कि सूचना मिलते ही लाइनमैन राहुल और चरण सिंह मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त लाइन को ठीक करने का कार्य शुरू किया। करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद बिजली आपूर्ति को दोबारा सुचारू रूप से चालू करा दिया गया। उन्होंने बताया कि तेज आंधी के कारण लाइन पर पेड़ गिरने से फॉल्ट हो गया था, जिसे हटाकर मरम्मत करने के बाद आपूर्ति बहाल की गई।

नगरवासियों के लिए सिरदर्द बना नगर में कुत्तों का आतंक

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में कुत्तों का बढ़ता आतंक नगरवासियों के लिए सिरदर्द बन गया है।शायद ही कोई दिन खाली जाता हो,जब कुत्ते किसी पर हमला कर घायल न करते हो। सोमवार को भी नगर में कुत्ते और बिल्ली के काटने से 17 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत फार्मासिस्ट अनुराग चौहान ने बताया कि सोमवार को नगर के मुबारक हुसैन, नित्यम, इफरा, लोकेन्द्र, शौर्य, सरोज, नीरा, अक्षय, सारिका, अमन, मगन, बॉबी, नईम, अरविन्द, चित्रेश, समाया और शाद को कुत्ते व बिल्ली ने काटकर घायल कर दिया। इनमें 12 लोगों को कुत्ते और पांच लोगों को बिल्ली ने काटा। सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाकर उपचार दिया गया। उन्होंने बताया कि रोजाना लगभग 10 से 15 लोग कुत्ते और बिल्ली के काटने के बाद उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच रहे हैं।

चकबंदी वाद एवं चकबंदी विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में कर करेत्तर,न्यायालय, राजस्व, चकबंदी वाद एवं चकबंदी विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। आबकारी की रैंक सुधार को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बाट माप विभाग को पेट्रोल पम्प के सत्यापन को लेकर निर्देशित किया। औषधि निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि रैंक खराब न हो यह सुनिश्चित किया जाए। खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि लाइसेंस लंबित न रहें यह सुनिश्चित किया जाए। एआरटीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि ट्रेड सर्टिफिकेट लम्बित न रहें। धारा 80 को लेकर 45 दिन से ऊपर लम्बित वाद को लेकर चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। धारा 34 एवं धारा 24 तथा धारा 67 एवं धारा 116 को लेकर चर्चा की तथा संबंधित को रैंक में सुधार के लिए निर्देशित किया और संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि रैंक में सुधार हो नहीं तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। विभिन्न विभागों की वसूली एवं आर सी को लेकर भी चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने अवशेष वाद को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि अवशेष वाद दिसम्बर माह से कम हों यह सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार एवं डिप्टी कलक्टर रामानुज, डिप्टी कलक्टर नीतू रानी, डिप्टी कलक्टर वंदना मिश्रा, एवं अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह, एआरटीओ अमिताभ चतुवेर्दी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एपस्टीन लिंक के दावों पर मंत्री हरदीप पुरी की बेटी पहुंचीं दिल्ली एचसी, 10 करोड़ के मानहानि का केस दर्ज

नई दिल्ली। बाल यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जोड़ने को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की बेटी हिमायनी पुरी ने दिल्ली हाई कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। उन्होंने आनलाइन समाचार रिपोर्टों, पोस्टों, वीडियो और अन्य सामग्री को हटाने की मांग की है। हिमायनी पुरी ने हजार्नें के तौर पर 10 करोड़ रुपये की मांग को है। मामले की सुनवाई मंगलवार को होने की संभावना है। फाइल्स और दस्तावेजों का हवाला गौरतलब है कि पिछले दिनों कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर कथित तौर पर कुछ फाइलों और दस्तावेजों का हवाला देते हुए ऐसे दावे किए गए थे, जिनमें कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के साथ-साथ हिमायनी पुरी का नाम भी जोड़ा गया। हिमायनी ने इन आरोपों को पूरी तरह से झूठे और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार की घोषणा, हिंदी के लिए वरिष्ठ लेखिका ममता कालिया को मिलेगा सम्मान

नई दिल्ली। साहित्य के क्षेत्र में वर्ष 2025 के लिए प्रतिष्ठित "साहित्य अकादमी पुरस्कारों" की घोषणा कर दी गई है। साहित्य अकादमी की सचिव पल्लवी प्रशांत होल्कर ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि 24 भारतीय भाषाओं के लिए साहित्यकारों को पुरस्कार के लिए चुना गया है। जिसमें कविता- संग्रह, उपन्यास, कहानी, संस्मरण और आत्मकथा जैसी विभिन्न विधाओं को स्थान मिला है। दिल्ली निवासी हिंदी भाषा की वरिष्ठ लेखिका ममता कालिया को उनके बहुचर्चित संस्मरण "जीते जी इलाहाबाद" के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं, अंग्रेजी साहित्य में ख्यातिप्राप्त लेखक और पूर्व राजनयिक नवतेज सरना को उनके उपन्यास "क्रिमसन स्प्रिंग" के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा जाएगा। इन लेखकों की उपलब्धि से साहित्यिक जगत में खुशी का माहौल है। 31 मार्च को होगा पुरस्कार समारोह अन्य प्रमुख विजेताओं में मराठी से राजू बाविस्कर (आत्मकथा), संस्कृत से महामहोपाध्याय साधु भद्रेशदास (कविता) और तेलुगु से नंदिनी सिद्धेरेड्डी (कविता) शामिल हैं। इसके अलावा असमीया, गुजराती और उर्दू सहित अन्य भाषाओं के साहित्यकारों को भी उनकी उत्कृष्ट कृतियों के लिए चयनित किया गया है। अकादमी के अनुसार पुरस्कार के लिए चयनित साहित्यकारों को एक लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। यह पुरस्कार समारोह 31 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

युवा फिल्म डायरेक्टर स्क्रिप्ट राइटर और एडिटर पावेल सिंह की नई फिल्म मजाक 15 मार्च को यू ट्यूब पर हुई रिलीज

मुंबई (सब का सपना):- समकालीन भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित एक संवेदनशील हिंदी लघु फि ल्म है, जो डिजिटल युग में युवाओं के जीवन, उनके मानसिक संघर्ष और साइबर-बुलिंग की भयावहता को सामने लाती है। यह फि ल्म केवल एक व्यक्तिगत घटना की कहानी नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को भी उजागर करती है जिसमें किसी की भावनाओं और निजी जीवन को ह्यमजाकह्व समझ लिया जाता है। फि ल्म की कहानी आजाद नाम के एक 17 वर्षीय छात्र के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक सामान्य किशोर की तरह अपने स्कूल और दोस्तों के साथ जीवन जी रहा होता है। लेकिन उसकी ज़िंदगी अचानक तब बदल जाती है जब उसके एक सहपाठी द्वारा उसकी निजी तस्वीरें इंटरनेट पर साझा कर दी जाती हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में तस्वीरें बहुत तेजी से फैलती हैं और देखते ही देखते यह घटना पूरे स्कूल और दोस्तों के बीच चर्चा का विषय बन जाती है। शुरूआत में उसके साथी इसे केवल एक मजाक मानते हैं। वे हँसते हैं, टिप्पणी करते हैं और इसे एक हल्की-फुल्की घटना समझकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन जिस व्यक्ति के साथ यह घटना हुई है, उसके लिए यह मजाक नहीं बल्कि गहरा अपमान और मानसिक यातना बन जाता है। आजाद धीरे-धीरे अपने दोस्तों और समाज से कटने लगता है। वह शर्म, अपराधबोध और अकेलेपन की भावना से भर जाता है। उसके भीतर गुस्सा और निराशा बढ़ती जाती है और उसका आत्मविश्वास पूरी तरह टूटने लगता है। साइबर-बुलिंग का यही सबसे

खतरनाक पहलू है कि यह केवल एक ऑनलाइन घटना नहीं रहती, बल्कि व्यक्ति के पूरे मानसिक संसार को प्रभावित कर देती है। सोशल मीडिया पर होने वाली टिप्पणियाँ, ताने और मजाक किसी किशोर के मन पर गहरा असर डालते हैं। फि ल्म में दिखाया गया है कि कैसे एक छोटी-सी डिजिटल क्रूरता किसी युवा को अवसाद (डिप्रेशन) और निराशा के अंधेरे में धकेल सकती है। कहानी का सबसे निर्णायक मोड़ तब आता है जब आजाद इस मानसिक दबाव को सहन नहीं कर पाता और एक दुखद निर्णय लेने के करीब पहुँच जाता है। उसी समय एक व्यक्ति उससे बातचीत करता है और उसे यह समझाने की कोशिश करता है कि उसकी ज़िंदगी किसी के मजाक या अपमान से छोटी नहीं है। यह संवाद बहुत भावनात्मक और गहरा है, जहाँ निराशा और उम्मीद आमने-सामने खड़ी दिखाई देती हैं। उस व्यक्ति की संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण आजाद को यह महसूस कराता है कि उसकी ज़िंदगी की कीमत बहुत अधिक है। इस प्रकार फि ल्म केवल समस्या को दिखाकर समाप्त नहीं होती, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण संदेश भी देती है– सहानुभूति और संवाद किसी की जान बचा सकते हैं। मजाक कई महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को एक साथ सामने लाती है, जैसे साइबर-बुलिंग, बॉडी-शेमिंग, मानसिक स्वास्थ्य, किशोरावस्था का अकेलापन और आत्महत्या की रोकथाम। डिजिटल युग में जहाँ सोशल मीडिया लोगों को जोड़ने का माध्यम माना जाता है, वहीं यह फि ल्म यह भी दिखाती है कि वही माध्यम कभी-कभी किसी व्यक्ति के लिए मानसिक यातना का कारण भी बन सकता है। फि ल्म का मूल संदेश बहुत स्पष्ट और मानवीय है–जो चीज हमें मजाक लगती है, वही किसी दूसरे व्यक्ति के लिए गहरी चोट बन सकती है। इसलिए हमें अपने व्यवहार और शब्दों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। एक छोटी-सी क्रूरता किसी की ज़िंदगी को अंधेरे में धकेल सकती है, लेकिन एक छोटी-सी सहानुभूति और समझ किसी को फिर से जीने की उम्मीद दे सकती है। इस प्रकार मजाक केवल एक कहानी नहीं बल्कि आज के समाज के लिए एक चेतावनी और संदेश है कि डिजिटल दुनिया में भी मानवीय संवेदना और जिम्मेदारी को नहीं भूलना चाहिए।

आर्य प्रतिनिधि सभा बिजनौर के चुनाव में कामेंद्र सिंह एडवोकेट प्रधान, शुभेंद्र आर्य मंत्री व अशोक त्यागी चुने गए कोषाध्यक्ष

बिजनौर (सब का सपना):- आर्य प्रतिनिधि सभा बिजनौर का वार्षिक चुनाव पूर्व एजेंडा अनुसार रविवार को दयानंद जूनियर हाई स्कूल बिजनौर में संपन्न कराया गया। निवर्तमान प्रधान रविंद्र पाल सिंह आर्य की अध्यक्षता एवं मास्टर ब्रह्मपाल सिंह के संचालन में आयोजित बैठक में चुनाव अधिकारी अमन सिंह आर्य व चुनाव पर्यवेक्षक रमेश सिंह आर्य की मौजूदगी में जनपद की आर्य समाज इकाइयों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से कामेंद्र सिंह एडवोकेट को प्रधान, शुभेंद्र आर्य को मंत्री एवं पूर्व प्रधानाचार्य

अशोक त्यागी को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। चुनाव अधिकारी एवं चुनाव पर्यवेक्षक ने मनोनीत पदाधिकारियों से तीन दिन के भीतर अपनी जिला कार्यकारिणी बनाकर उन्हें भेजने के लिए कहा ताकि यथा समय प्रदेश इकाई से नवगठित कार्यकारिणी का अनुमोदन कराया जा सके। कार्यक्रम में मुख्य रूप से तेजपाल सिंह, देवेंद्र दत्त सत्यार्थी, शिशुपाल सिंह, अतुल भाटिया, आदित्य बिश्नोई, सुरेश पाल सिंह आर्य, सुशील कुमार, मनजीत सिंह, पवन आर्य, डलहौजी, जयपाल सिंह, भानु प्रताप सिंह, मुकेश आर्य, वीरेंद्र कुमार सिंह, प्रवीण शर्मा, डॉ मुकुल आर्य, संदीप आर्य, नेपाल सिंह आर्य, कल्याण सिंह, महावीर सिंह जिंघाला, रमेश आर्य, विनोद कुमार आर्य, राधेश्याम चिकारा एडवोकेट, जयप्रकाश मुनि, हितेश शर्मा, हर्ष शर्मा, दीपक अग्रवाल योगेश कुमार आर्य अचल कुमार आर्य विश्वजीत सिंह आर्य आदि 69 आर्य प्रतिनिधि शामिल रहे।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया दिल्ली पुलिस का एएसआई, 20 हजार रुपये के साथ विजिलेंस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गीता कॉलोनी थाने में तैनात एक एएसआई को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी एएसआई शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये की रिश्वत ले रहा था। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई बराखंबा रोड स्थित विजिलेंस यूनिट की टीम ने की। आरोपी की पहचान रोहताश कुमार के रूप में हुई है, जो गीता कॉलोनी पुलिस स्टेशन में तैनात था। दहेज उत्पीड़न मामले में जांच अधिकारी था शाहदरा निवासी एक व्यक्ति ने विजिलेंस यूनिट से शिकायत की थी कि उसकी पत्नी ने

उसके खिलाफ दहेज उत्पीड़न से जुड़ा मामला दर्ज कराया है। इस मामले की जांच एएसआई रोहताश कुमार कर रहा था। शिकायत के मुताबिक एएसआई उसे और उसके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की धमकी देकर रिश्वत मांग रहा था। पहले उसने 40 हजार रुपये की मांग की थी, लेकिन बाद में यह रकम घटाकर 20 हजार रुपये कर दी गई। जाल बिछाकर रंगे हाथ पकड़ा शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस टीम ने तय समय और स्थान पर जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी एएसआई ने शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये की रिश्वत ली, टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। इस मामले में विजिलेंस थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। भ्रष्टाचार की शिकायत करने की अपील दिल्ली पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई पुलिसकर्मी रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत विजिलेंस यूनिट को दें। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 1064 या वॉट्सऐप नंबर 9910641064 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। नागरिक चाहें तो बराखंबा रोड स्थित विजिलेंस कार्यालय में जाकर भी शिकायत कर सकते हैं।

आरोप लगाकर भाग जाते हैं केजरीवाल, शराब घोटाला केस में सुनवाई टालने की मांग पर तुषार मेहता का तंज

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला मामले में जांच एजेंसी की अपील याचिका पर सुनवाई के दौरान सीबीआइ की तरफ से पेश हुए सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आरोप लगाते हैं और फिर भाग जाते हैं, ऐसे मुकदमेबाजों को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। एसजी ने यह बात मामले की सुनवाई स्थगित करने की केजरीवाल की मांग का विरोध करते हुए कही। अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों ने आरोप-मुक्त किए जाने के खिलाफ सीबीआइ की अपील पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। साथ ही यह भी कहा कि मामले को किसी अन्य पीठ के समक्ष

स्थानांतरित करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका भी दायर की है। इस पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने अनुरोध को स्वीकार करते हुए सभी पक्षकारों को जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। छह अप्रैल को होगी अगली सुनवाई मामले पर अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। आबकारी घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल व मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय को सीबीआइ ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है। इसके अलावा मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के बजाय किसी अन्य पीठ के समय स्थानांतरित करने की मांग की थी, जिसे हाई कोर्ट मुख्य न्यायाधीश ने ठुकरा दिया था। अब इस मामले को लेकर केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका भी दायर की है। वहीं केजरीवाल की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने कहा कि सीबीआइ अधिकारी के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियों पर रोक लगाने संबंधी हाई कोर्ट के निर्णय को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई है।

एमजे अकबर की अपील पर दिल्ली एचसी में 24 सितंबर को अंतिम सुनवाई, मीटू यौन उत्पीड़न से जुड़ा है मामला

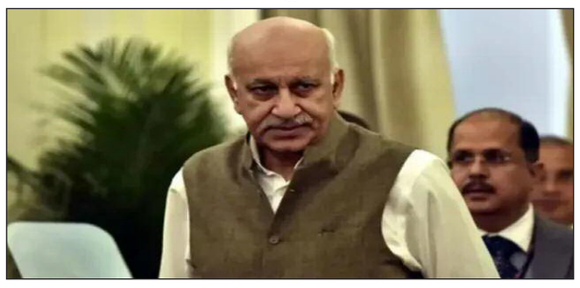

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री एमजे अकबर की अपील याचिका को 24 सितंबर को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। एमजे अकबर ने पत्रकार प्रिया रमानी को आपराधिक मानहानि के मामले में बरी करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय को चुनौती दी है। अदालत ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का रिकॉर्ड मिल गया है और दोनों पक्षों ने अपनी लिखित दलीलें भी दाखिल कर दी हैं। उक्त तथ्यों को देखते हुए अदालत ने मामले को अगली तारीख पर अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। यह मामला अकबर ने रमानी द्वारा लगाए गए मीटू-टू यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर दायर किया था।

धमाकों से कांपते हॉस्टल, दहशत और महंगे हवाई टिकट; ईरान से लौटे 70 भारतीय छात्रों के अनिश्चित भविष्य की कहानी

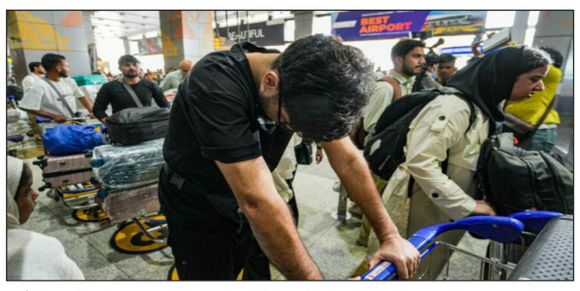

नई दिल्ली। ईरान में चल रहे संघर्ष के बीच करीब 70 भारतीय छात्र रविवार को सुरक्षित नई दिल्ली पहुंच गए। इनमें अधिकतर छात्र जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं, जो वहां मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर जब ये छात्र पहुंचे तो उनके चेहरों पर राहत साफ दिखाई दे रही थी। पिछले कई हफ्तों से भय और अनिश्चितता के माहौल में रह रहे इन छात्रों के लिए भारत लौटना किसी राहत से कम नहीं था। युद्ध के बीच बंद हो गई पढ़ाई ईरान में संघर्ष शुरू होने के समय वहां करीब 1200 कश्मीरी छात्र मौजूद थे, जिनमें अधिकांश मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। संघर्ष बढ़ने के साथ ही विश्वविद्यालयों में पढ़ाई और अस्पतालों में शैक्षणिक गतिविधियां अचानक रुक गईं। छात्रों के अनुसार ऐसी स्थिति में शैक्षणिक संस्थान और अस्पताल अक्सर पहले निशाने पर आते हैं, इसलिए वहां का माहौल बेहद असुरक्षित हो गया था। धमाकों से कांप उठता था हॉस्टल अनंतनाग की मेडिकल छात्रा ने बताया कि पिछले एक महीने का समय बेहद तनाव भरा रहा। उन्होंने बताया कि उनके हॉस्टल के पास पुलिस स्टेशनों पर बम गिरने से तेज धमाके होते थे और पूरा कमरा हिलने लगता था। ऐसे हालात में पढ़ाई जारी रखना संभव नहीं रह गया था और सभी छात्र भय के माहौल में जी रहे थे। महंगे टिकट लेकर लौटे छात्र छात्रों ने बताया कि भारत लौटने के लिए उन्हें खुद ही टिकट खरीदने पड़े। सामान्य तौर पर जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के रहने वाले छात्र को आने-जाने का टिकट करीब 25 हजार रुपये में मिल जाता था, लेकिन इस बार आपात स्थिति में उन्हें दिल्ली आने के लिए एकतरफा टिकट पर ही करीब 55 हजार रुपये खर्च करने पड़े। चार दिन के कठिन सफर के बाद पहुंचे दिल्ली छात्रों को पहले ईरान से आर्मेनिया ले जाया गया। वहां से उन्हें दुबई पहुंचाया गया और फिर दिल्ली के लिए उड़ान भरवाई गई। लगातार यात्रा और कठिन परिस्थितियों के कारण कई छात्रों ने बताया कि उन्हें चार दिनों से ठीक से भोजन तक नहीं मिल पाया था। इंटरनेट बंद होने से परिवारों की बढ़ी चिंता ईरान में इंटरनेट सेवाएं बार-बार बाधित हो रही थीं, जिससे छात्रों का अपने परिवारों से संपर्क बनाए रखना मुश्किल हो गया था। कई छात्रों ने बताया कि वे अपने परिवारों को पूरी स्थिति बताने से भी हिचक रहे थे, क्योंकि वे उन्हें और ज्यादा चिंतित नहीं करना चाहते थे।

अटल दृष्टि गर्ल्स हॉस्टल में एडमिशन का एक और मौका, 30 मार्च तक कर सकती हैं आवेदन नेत्रहीन छात्राएं

नई दिल्ली। राजधानी में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहीं नेत्रहीन छात्राओं के लिए बनाए गए अटल दृष्टि गर्ल्स हॉस्टल में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया फिर से शुरू की गई है। अब इच्छुक छात्राएं 30 मार्च तक आवेदन कर सकती हैं। पहले जारी सूचना के बाद अपेक्षित संख्या में आवेदन नहीं मिलने के कारण यह फैसला लिया गया है। यह छात्रावास दिल्ली समज कल्याण विभाग की ओर से तिमारपुर इलाके में चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार नवंबर में पहली बार आवेदन आमंत्रित किए गए थे और छात्रों को 30 दिनों का समय दिया गया था। लेकिन फरवरी की शुरूआत तक केवल छह आवेदन ही प्राप्त हुए। माना जा रहा है कि इस योजना के बारे में जागरूकता की कमी कम आवेदन आने का एक बड़ा कारण हो सकती है। कौन कर सकता है आवेदन? मौजूदा नियमों के तहत केवल अविवाहित और पूर्ण रूप से नेत्रहीन महिलाएं ही आवेदन कर सकती हैं। आवेदक की उम्र 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए और वह दिल्ली की निवासी होनी चाहिए। साथ ही आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं उत्तीर्ण होना या

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी करनी आवश्यक है। चयन प्रक्रिया के तहत आवेदकों का साक्षात्कार एक समिति द्वारा लिया जाएगा और उसका निर्णय अंतिम माना जाएगा। किन छात्रों को योजना का लाभ नहीं नियमों के अनुसार आंशिक रूप से नेत्रहीन छात्राएं, पत्राचार या शाम की कक्षाओं में पढ़ने वाली छात्राएं, एमए पूरी कर चुकी छात्राएं या एमफिल, पीएचडी, बीएड, एलएलबी जैसे पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्राएं, इस योजना के दायरे में नहीं आतीं। हालांकि दिल्ली से बाहर तैनात सरकारी या रक्षा कर्मियों की नेत्रहीन बेटियों को सीट उपलब्ध होने पर प्राथमिकता दी जा सकती है। 96 छात्राओं की क्षमता वाला छात्रावास करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से बने इस चार मंजिला छात्रावास का उद्घाटन पिछले साल सितंबर में सेवा पखवाड़ा के दौरान किया गया था। इसमें लगभग 96 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। भवन को विशेष सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है, ताकि दृष्टिबाधित छात्राओं को रहने और आने-जाने में किसी तरह की परेशानी न हो। हर साल कराना होगा दोबारा प्रवेश हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं को हर नए शैक्षणिक सत्र से पहले फिर से प्रवेश के लिए आवेदन करना होगा। चयनित छात्राओं को 500 रुपये की वापसी योग्य सुरक्षा राशि जमा करनी होगी या उतनी ही राशि का श्योरिटी बॉन्ड देना होगा। अधिकारियों के अनुसार सरकार यह भी विचार कर रही है कि पात्रता मानदंडों में कुछ बदलाव किए जाएं। कारण यह है कि पूरी तरह दृष्टिबाधित छात्राओं की संख्या सीमित हो सकती है

सोनीपत में दबंगों का आतंक, सड़क पर घेरकर युवक को बेरहमी से पीटा

सोनीपत : सोनीपत में पुरानी रंजिश के चलते दबंगई की खौफनाक तस्वीरें सामने आई थी। जहां कुछ युवकों ने पहले घर में घुसकर हमला किया था और जब पीड़ित अरमान अपनी जान बचाकर घर से बाहर भागा तो आरोपियों ने उसे बीच सड़क पर घेर लिया था और लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा था। इस पूरी वारदात की तस्वीरें सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गईं, जो अब सामने आई हैं। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी यश समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मुख्य आरोपी यश और अरमान का पहले किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। उसी झगड़े की रंजिश में बीती 7 मार्च को यश ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने घर में घुसकर अरमान और उसके परिवार पर हमला किया था। हमले में अरमान, अरमान की मां और धीरज तीन लोग घायल हुए थे और जब पीड़ित अरमान अपनी जान बचाकर घर से बाहर भागा तो आरोपियों ने उसे बीच सड़क पर घेर लिया।सीसीटीवी में साफ दिखाई दे रहा है कि आरोपी अरमान को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट रहे हैं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी में है, ताकि रिमांड के दौरान पूछताछ में इस मामले से जुड़े और भी अहम खुलासे हो सकें। मामले में जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता रवींद्र कुमार ने बताया कि बीती 7 मार्च को जीवन नगर के रहने वाले अरमान की शिकायत पर मामला दर्ज किया था और अब इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जिनको कोर्ट में पेशकर रिमांड पर लिया जाएगा।

हरियाणा में 'टीबी' की हार: प्रदेश की 2157 पंचायतें हुई टीबी-मुक्त, ये जिला रहा नंबर-1 पर

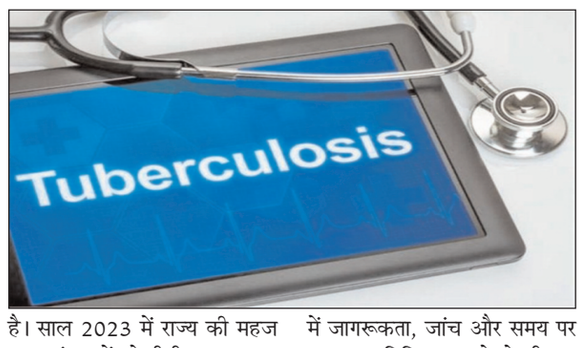

हरियाणा : हरियाणा ने टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। साल 2025 में प्रदेश की 2,157 ग्राम पंचायतें अब पूरी तरह टीबी-मुक्त घोषित कर दी गई हैं। यह संख्या राज्य की कुल 6,237 पंचायतों का लगभग 35 प्रतिशत है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में टीबी-मुक्त पंचायतों की संख्या में आई तेजी जमीनी स्तर पर कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को दशार्ती है। तीन वर्षों में चार गुना सुधार स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, टीबी-मुक्त पंचायतों की संख्या में पिछले तीन वर्षों के दौरान लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। साल 2023 में राज्य की महज 574 पंचायतों को टीबी-मुक्त प्रमाण पत्र मिला था, जो कुल पंचायतों का करीब 9 प्रतिशत था। साल 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 1,855 पंचायतों तक पहुंचा और अब 2025 में यह संख्या बढ़कर 2,157 हो गई है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता, जांच और समय पर उपचार सुनिश्चित करने से ही यह संभव हो पाया है। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत पंचायतों के प्रदर्शन को तीन श्रेणियों गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज में प्रमाणित किया जाता है। वर्ष 2025 में टीबी-मुक्त घोषित 2,157 पंचायतों में से 211 पंचायतों ने 'गोल्ड' श्रेणी हासिल की है, जो उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दशार्ता है। इसके अलावा 646 पंचायतें 'सिल्वर' और 1,300 पंचायतें 'ब्रॉन्ज' श्रेणी में आई हैं। इन श्रेणियों का निर्धारण टीबी के नए मामलों में कमी, सफल उपचार की दर और स्वास्थ्य जांच की निरंतरता जैसे कड़े मानकों के आधार पर किया गया है। जिला स्तर पर अम्बाला ने प्रदेश में बाजी मारी है। जिले की 400 में से 191 पंचायतें टीबी-मुक्त घोषित की गई हैं, जिनमें 9 गोल्ड, 79 सिल्वर और 103 ब्रॉन्ज श्रेणी की पंचायतें शामिल हैं। भिवानी जिले की 165 पंचायतें इस सूची में जगह बनाने में सफल रही हैं। कुरुक्षेत्र में 145, रेवाड़ी में 131, सिरसा में 119 और पलवल में 110 पंचायतें टीबी-मुक्त हुई हैं। छोटे जिलों में पंचकूला का प्रदर्शन सराहनीय रहा, जहां 133 में से 105 पंचायतें इस लक्ष्य तक पहुंच चुकी हैं। गुरुग्राम, नूंह और हिसार में भी सुधार देखा गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस मुहिम की सफलता के पीछे आशा वर्करों, स्वास्थ्य कर्मचारियों और पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में संदिग्ध मरीजों की पहचान के लिए घर-घर जाकर व्यापक स्क्रीनिंग की गई और उन्हें समय पर दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में राज्य की शत-प्रतिशत पंचायतों को टीबी-मुक्त श्रेणी में लाकर राष्ट्रीय लक्ष्य को समय से पहले हासिल करना है।

हरियाणा राज्यसभा की 2 सीटों पर जल्द होगी गिनती शुरू

चंडीगढ़ : हरियाणा की 2 राज्यसभा सीटों के लिए आज वोटिंग हुई थी, उसकी गिनती जल्द शुरू होगी। कांग्रेस आलाकमान का सख्त संदेश-क्रॉस वोटिंग पर होगा 'ऑप्रेशन क्लीन'कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश के अपने सभी विधायकों को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू और अन्य वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं के माध्यम से सख्त संदेश पहुंचाया है कि राज्यसभा चुनाव में यदि किसी भी विधायक की वोट तकनीकी कारणों से रद्द होती है या क्रॉस वोटिंग की स्थिति बनती है तो इसे गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा। ऐसी स्थिति में हरियाणा के बड़े नेता जिम्मेदार होंगे जिन्हें "ऑप्रेशन क्लीन" जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इसका अर्थ यह माना जा रहा है कि संगठनात्मक फेरबदल, जिम्मेदारियों में बदलाव या अनुशासनात्मक कार्रवाई से भी परहेज नहीं किया जाएगा।

फरीदाबाद से गुड़गांव आ रही कार बनी आग का गोला

गुड़गांव,(ब्यूरो): फरीदाबाद से गुड़गांव आ रही कार में घामडौज टोल प्लाजा के पास आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत यह रही कि गाड़ी में सवार व्यक्ति समय रहते नीचे उतर गया।दमकल अधिकारी देवेंद्र ने बताया कि सुबह करीब सवा 9 बजे उन्हें सूचना मिली थी कि घामडौज टोल प्लाजा पर एमजी गाड़ी में आग लग गई है। गाड़ी से धुआं निकलता देख व्यक्ति गाड़ी से जैसे ही नीचे उतरा तो आगी के अगले हिस्से ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी को मौके पर भेज दिया गया। करीब 10 बजे तक आग पर काबू पाकर गाड़ी वापस दमकल केंद्र लौट आई। प्रारंभिक तौर की जांच में सामने आया कि व्यक्ति गाड़ी को लेकर फरीदाबाद से सोहना के रास्ते गुड़गांव आ रहा था। शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात सामने आई है।

विधानसभा चुनाव में सारी टिकट भूपेंद्र हुड्डा ने बांटी है, अगर क्रॉस वोटिंग हुई तो उसके लिए वही जिम्मेदार होंगे : अभय चौटाला

चंडीगढ़ : इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्यसभा चुनाव में वोट देने के मुद्दे पर कहा कि जनता की आवाज भगवान की आवाज है और जनता ने मुझे कांग्रेस और बीजेपी से दूरी बनाने को कहा है। ऐसे में पार्टी के दोनों विधायक मतदान से अनुपस्थित रहेंगे। कांग्रेस से हमारी दूरी पहले से ही है। वहीं बीजेपी ने पिछले ग्यारह सालों में जातिवाद, सांप्रदायिकता को बढ़ावा दिया है। बीजेपी के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा और विधायक रामकुमार गौतम की भाषा इनेलो विरोधी रही है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी हमारे बारे में अभद्र भाषा का प्रयोग करता है। हम बीजेपी को वोट किसी कीमत पर नहीं देंगे। इस दौरान इनेलो के दोनों विधायक अदित्य देवीलाल और विधायक अर्जुन चौटाला भी उनके साथ मौजूद रहे। चुनाव से पूर्व भूपेंद्र सिंह हुड्डा 37 विधायकों के समर्थन का दावा करते थे। लेकिन ऐसा नहीं होता लग रहा। कांग्रेस में भी कुछ विरोधी है। मतदान के दौरान भूपेंद्र हुड्डा परेशान दिखाई दे रहे थे। कांग्रेस अपने 37 विधायकों को संभाले। विधानसभा चुनाव में सारी टिकट भूपेंद्र हुड्डा ने बांटी है। क्रॉस वोटिंग के लिए वहीं जिम्मेदार होंगे। कांग्रेस में 100 करोड़ रुपए देकर राज्यसभा सांसद बनते हैं। बीजेपी बताए उसने कितने खर्च किया। मीडिया के अनुसार बीजेपी द्वारा कांग्रेस विधायकों को 20-20 करोड़ रुपए में खरीदा जा रहा है। कांग्रेस को विधायकों की खरीद फरोख्त पर अपना स्पष्टीकरण देना चाहिए। आज विधायकों की हॉर्स ट्रेडिंग हो रही है। जो लोकतंत्र के खिलाफ है। जिस पार्टी के विधायक बिकते है, तो उस पार्टी पर भी सवालिया निशान लगता है। हॉर्स ट्रेडिंग में खरीदने वाले और बिकने वाले दोनों ही पक्ष दोषी होते हैं। इसका कारण ये है कि टिकट देते समय सही प्रत्याशी को नहीं चुना गया।अभय सिंह चौटाला ने कहा कि क्रॉस वोटिंग रोकने के लिए भी कानून बनाना चाहिए। क्रॉस वोटिंग करने वालों पर भी 6 साल चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगना चाहिए। निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल के वोट मांगने पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि नांदल का कॉल आया था। मेरे वोट डालने या नहीं डालने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि हमने प्रदेश के सभी विधानसभाओं में 1 पर्यवेक्षक भेजा था। उनके फीडबैक मिलने के बाद हमने मतदान से गैरहाजिर रहने का फैसला किया है। हरियाणा में 3 पार्टी प्रदेश का नाश कर रही हैं। कुल मिलाकर बीजेपी सांपनाथ है, कांग्रेस नागनाथ है और तीसरा बिच्छू नाथ है। तीन में से एक पार्टी को तो जनता ने साइडलाइन कर दिया है। आगे 2029 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी और कांग्रेस को भी जनता आइना दिखा देगी।

दो साल की बेटी संग 23वीं मंजिल से कूदा स्कूल संचालक, मौत

गुड़गांव, (ब्यूरो): बेटी को पार्क में खिलाने ले गए स्कूल संचालक द्वारा सेक्टर-102 की जॉय विले सोसाइटी की 23वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। नीचे गिरने की आवाज सुनकर सिक्योरिटी गार्ड व आसपास रहने वाले लोग मौके पर आए जिन्होंने स्कूल संचालक व उसकी दो साल की मासूम बेटी को निजी अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने जांच के उपरांत दोनों को ही मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में परिजनों ने किसी पर भी कोई शक नहीं जताया है। हालांकि जिस टावर में स्कूल संचालक रहता था उसने उस टावर से नहीं बल्कि दूसरी टावर की 23वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या की है। ऐसे में मामला संदेहजनक लग रहा है। पुलिस के मुताबिक, मृतक के भाई अमित विजयरण ने बताया कि उनका भाई राहुल विजयरण अपनी पत्नी नीतू दहिया और 2 साल की बेटी वामिका के साथ गुड़गांव की सेक्टर-102 जॉय विले सोसाइटी की टावर-9 के फ्लैट नंबर 305 में रहते थे और वह अपनी पत्नी के साथ दिल्ली के गांव किराड़ी में जे एस पब्लिक स्कूल चलाते हैं। अमित ने पुलिस को बताया कि उनके भाई की कोरोना में आंखें खराब हो गई थी जिसमें एक आंख से उसे दिखाई देना बंद हो गया था जबकि दूसरी आंख से उसे कम दिखाई देता था। इसको लेकर वह काफी परेशान रहता था। आज सुबह नीतू अपने घर पर खाना बना रही थी और राहुल अपनी बेटी वामिका को लेकर सोसाइटी के पार्क में खेलने के लिए गया था। सुबह करीब साढ़े सात बजे वह बेटी को जब लेकर गया तो वह टावर 5 की 23वीं मंजिल पर चला गया जिसके बाद उसने यहां से छलांग लगा दी। जब शोर होने की आवाज नीतू ने अपने घर पर सुनी तो वह किचन में काम छोड़कर बाहर आई तो उसने एक व्यक्ति और छोटी बच्ची को जमीन पर लहूलुहान हालत में देखा और बाहर निकल आई। जिसके बाद उसे लोग निजी अस्पताल ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया। अमित ने पुलिस को बताया कि उनके भाई राहुल विजयरण की शादी साल 2014 में हुई थी। उनकी एक 11 साल की बेटी देहरादून में पढ़ाई करती है और वहां हॉस्टल में रहती है। वहीं, वामिका दो साल की थी और जब राहुल व नीतू दिल्ली स्कूल जाते थे तो वामिका को अपने ससुराल छोड़ जाते थे जहां उसकी देखरेख होती थी। अमित ने पुलिस को बताया कि कोरोना में बीमार होने के बाद से ही राहुल काफी परेशान रहता था। बीमारी से व मानसिक रूप से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है। वहीं, मामले में चौकी प्रभारी जगमाल की मानें तो परिजनों ने शिकायत देकर कार्रवाई करने से मना कर दिया है। वहीं, मामले में पुलिस जांच कर रही है कि आखिर टावर 9 में रहने वाला राहुल टावर 5 में क्यों गया और अगर वह अपनी बीमारी से परेशान था तो वह बेटी को साथ लेकर क्यों कूदा। पुलिस की मानें तो यह मामला थोड़ा संदिग्ध लग रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

हरियाणा के इस रेलवे ट्रैक पर मिला संदिग्ध कैमरा, आईएसआई की 'लाइव' जासूसी का शक

सोनीपत : सोनीपत रेलवे स्टेशन के पास सुरक्षा में उस वक्त बड़ी चूक सामने आई जब रेलवे लाइन के किनारे लगे पोल पर एक संदिग्ध कैमरा लगा हुआ मिला।यह कैमरा दिल्ली से अंबाला जाने वाली रेलवे लाइन पर पोल नंबर 42/27 पर लगाया गया था। यह पोल सोनीपत रेलवे स्टेशन से महज कुछ ही दूरी है और यहां से कुछ ही दूरी पर जीआरपी और आरपीएफ के थाने भी हैं।इसके बावजूद इस तरह का कैमरा लगाए जाने से सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता पर सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें कि गाजियाबाद की कौशांबी पुलिस ने हाल ही में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सुत्रों के अनुसार,पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर बड़े रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, मेट्रो स्टेशन और सैन्य ठिकानों पर 50 से ज्यादा सोलर बेस्ड सीसीटीवी कैमरे लगाने की साजिश रची जा रही थी, ताकि वहां की गतिविधियों का लाइव प्रसारण पाकिस्तान तक पहुंचाया जा सके।हालांकि सोनीपत में मिले इस संदिग्ध कैमरे का उस मामले से कोई सीधा संबंध है या नहीं, इसकी फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अब यह जांच कर रही हैं कि यह कैमरा किसने लगाया और इसके पीछे क्या मकसद था। फिलहाल मामले की जांच जारी है। हालांकि जिस तरह के कैमरे की बात कौशांबी पुलिस की जांच में सामने आई है इसी तरह का कैमरा सोनीपत में लगा हुआ मिला है। इस मामले में जब आरपीएफ अधिकारी से बात की तो उन्होंने उच्च अधिकारियों से जानकारी लेने की बात कह कर बात टालते नजर आए, लेकिन जिस जगह कैमरा लगा है वहां पर पुलिसकर्मियों की तैनाती जरूर कर दी गई है।

गोहाना में गैस की किल्लत से 'कड़वी' हुई मिठाई: प्रति किलो इतने बढ़े दाम

गोहाना (सुनीस): गोहाना में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बाधित होने का असर अब हलवाई और मिठाई कारोबार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। गोहाना शहर के सभी छोटे-बड़े मिठाई दुकानदार गैस की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे तलाई वाले आइटम जैसे समोसा, जलेबी, लड्डू और पकोड़े बनाना मुश्किल होता जा रहा है। कई दुकानदारों को मजबूरी में डीजल, कोयला, लकड़ी और इलेक्ट्रिक भट्ठियों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे उत्पादन की लागत बढ़ गई है। इसका असर बाजार में भी दिखने लगा है गोहाना में मिठाइयों के दाम प्रति किलो करीब 20 रुपये तक बढ़ा दिए गए हैं। दुकानदारों का कहना है कि अगर जल्द गैस सिलेंडर की सप्लाई सामान्य नहीं हुई तो कई दुकानों के लाइव काउंटर बंद करने पड़ सकते हैं, जिससे व्यापार पर भी असर पड़ेगा। दुकानदारों ने बताया कि चार से पांच दिनों से उनको कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल रहे है जिस के चलते उनकी दुकानदारी पर असर पड़ रहा है दुकानदारों का कहना है कि समोसा, जलेबी, लड्डू, बालूशाही और ब्रेड पकोड़ा जैसे तलाई वाले आइटम कमर्शियल गैस पर ही अच्छी तरह तैयार किए जा सकते हैं। फिलहाल कई दुकानों के पास केवल एक-दो दिन का ही गैस स्टॉक बचा हुआ है। अगर जल्द सप्लाई बहाल नहीं हुई तो इन आइटम के लाइव काउंटर बंद करने पड़ सकते हैं। दुकानदारों को काम जारी रखने के लिए डीजल की भट्टी और इलेक्ट्रिक प्लेट बर्नर का सहारा लेना पड़ रहा है। हालांकि इन विकल्पों से काम करना काफी महंगा पड़ रहा है और उत्पादन लागत बढ़ रही है। गोहाना के प्रसिद्ध मातूराम हलवाई के संचालक नीरज गुप्ता ने बताया कि वहां गैस एजेंसियों की ओर से फिलहाल 5 किलो के छोटे कमर्शियल सिलेंडर ही मिल पा रहे हैं।

पहले दुकानों को रोजाना 19 किलो के दो सिलेंडर मिलते थे, लेकिन अब मुश्किल से पांच-पांच किलो के कुछ सिलेंडर ही मिल पा रहे हैं। नीरज गुप्ता के अनुसार काम चलाने के लिए डीजल, लकड़ी, कोयला और इलेक्ट्रिक भट्ठियों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे लागत काफी बढ़ गई है। लकड़ी के गुटके भी अब 13-14 रुपये प्रति किलो के हिसाब से मिल रहे हैं, जबकि दो साल पहले उनकी कीमत केवल 6-7 रुपये प्रति किलो थी।

खाकी की मुस्तैदी से बची दर्जनों जानें: नशे में धुत बस ड्राइवर का अंबेडकर चौक पर तांडव

रेवाड़ी : शहर में यातायात पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। शहर के अंबेडकर चौक पर एक वाईटीटीएस होलिडे टूरिस्ट बस को बेकाबू हालत में इधर-उधर चलते देख ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत उसे रुकवा लिया। बस को रोकते ही चालक स्टेयरिंग पर ही बेसुध होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे बस से बाहर निकाला। चालक की हालत इतनी खराब थी कि वह ठीक से खड़ा तक नहीं हो पा रहा था। शराब की मात्रा जांचने के लिए भी उसे कई पुलिसकर्मियों का सहारा देना पड़ा। जांच में सामने आया कि चालक पूरी तरह नशे में धुत था। अल्कोहल टेस्ट में उसकी बॉडी में 30 मिलीग्राम की अनुमति सीमा के मुकाबले करीब 550 मिलीग्राम तक शराब पाई गई, जो बेहद अधिक मात्रा है। बताया जा रहा है कि यह बस चालक खाटू श्याम से श्रद्धालुओं को लेकर दिल्ली छोड़कर आया था। ऐसे में अगर समय रहते ट्रैफिक पुलिस उसे नहीं रोकती तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता था। बस में यात्रियों के अलावा शहर की व्यस्त सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की जान भी खतरे में पड़ सकती थी। मौके पर पहुंचे शहर यातायात पुलिस निरीक्षक बलवंत सिंह ने चालक के खिलाफ 10 हजार रुपये का चालान काटा और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। ट्रैफिक इंचार्ज बलवंत सिंह ने बताया कि एसपी हेमेंद्र मीणा के निर्देश पर जिले में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग कर ऐसे चालकों पर कार्रवाई की जा रही है, ताकि सड़कों पर होने वाले हादसों को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि बस चालकों की जिम्मेदारी सबसे अधिक होती है, क्योंकि एक बस में सैकड़ों लोग सफर करते हैं। ऐसे में नशे में वाहन चलाना यात्रियों की जान के साथ सीधा खिलवाड़ है। इससे पहले भी कई स्कूल बस चालकों के नशे में वाहन चलाने के मामले सामने आ चुके हैं, जिसे लेकर पुलिस गंभीर है। इस मामले को लेकर जब रेवाड़ी के एसपी हेमेंद्र मीणा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि शराब पीकर बस या स्कूल वाहन चलाने वालों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं और आगे भी अभियान जारी रहेगा, ताकि सड़कों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

678 करोड़ रुपये से होगा मानेसर का विकास, सदन बैठक में पास हुआ प्रस्ताव

गुड़गांव, (ब्यूरो): नगर निगम मानेसर के सदन की विशेष बैठक सोमवार को आईएमटी सेक्टर-8 स्थित नगर निगम कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव ने की। बैठक में वित्त वर्ष 2026-2027 के बजट पर विस्तृत चर्चा की गई। सदन ने सर्वसम्मति से बजट को मंजूर किया।निगम सचिव एवं उप-निगम आयुक्त अपूर्व चौधरी ने बजट को सदन के पटल पर रखते हुए बताया कि वित्त वर्ष में नगर निगम मानेसर द्वारा 678 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। इसी प्रकार करीब 482 करोड़ रुपये की वार्षिक आय की जाएगी। बजट के बारे में विस्तार से बताते हुए चीफ अकाउंट्स ऑफिसर संजय कुमार ने सदन को बताया कि निगम वित्त वर्ष में स्टॉप ड्यूटी व सेस से अनुमानित 200 करोड़ रुपये अर्जित करेगा। इसके अलावा सेल, ऑक्शन से 50 करोड़, रेंट,लीज से करीब ढाई करोड़ रुपये, सरकारी ग्रांट से 86 करोड़ रुपये व फीस के तौर पर करीब 16 करोड़ रुपये और प्रॉपर्टी टैक्स के रुप में 75 करोड़ 50 लाख रुपये की आय करेगा। इसी प्रकार स्टाफ की सैलरी व अन्य पर करीब 35 करोड़ रुपये, 17 करोड़ रुपये से प्रशासनिक खर्च, सफाई और वेस्ट मैनेजमेंट पर करीब 86 करोड़ रुपये, ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस पर करीब 47 करोड़ रुपये, निगम क्षेत्र में विकास कार्यों पर करीब 480 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान रखा गया है। वार्षिक बजट को सदन ने सर्वसम्मति से पास कर दिया। बजट प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजा जाएगा। बजट पर पूरे सदन की सहमति मिलने पर मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव ने सदन का धन्यवाद किया। इस दौरान पार्षदों से सुझाव भी लिए गए।आयुक्त प्रदीप सिंह ने सदन में मौजूद सभी सदस्यों से बजट को लेकर सुझाव मांगे। इस पर पार्षदों ने अपने सुझाव दिए। सुझावों को सुनते हुए आयुक्त ने कहा कि सभी वार्डों में पारदर्शी तरीके से विकास के काम होंगे। आयुक्त ने सदन को बताया कि निगम क्षेत्र में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्थापित करने की योजना है। इस प्लांट के लगने के बाद निगम क्षेत्र में कूड़े से संबंधित समस्या से निजात मिलेगी। इसी के साथ इस प्लांट से बिजली पैदा की जाएगी। सदन ने सफाई कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने के लिए आयुक्त से आग्रह किया। इस पर आयुक्त ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से इस विषय पर आग्रह करेंगे। इसके अलावा आयुक्त ने सदन को बताया कि नगर निगम कार्यालय के लिए एचएसआईआईडीसी ने निगम को जमीन देने के लिए हामी भर दी है। जल्द ही सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएगी। बजट में निगम कार्यालय के निर्माण के लिए भी 90 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है।

बैठक में संयुक्त आयुक्त हितेंद्र कुमार, सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीन यादव, डिप्टी मेयर रीमा चौहान, पार्षद जुममिंद्र, रूची कौशिक, रिपू शर्मा, दिनेश यादव, बालकिशन, कंवरपाल, भूपेंद्र, ज्योति वर्मा, राम प्रकाश, मनोज कुमार, रविंद्र, संगीता यादव, पिंकी, दयाराम, सुमन कुमारी, प्रवेश यादव, रवि कुमार, प्रताप सिंह, नामित पार्षद सत्यदेव शर्मा, किरोड़ी तंवर, शेर सिंह चौहान , नगर निगम के डीटीपी राजेंद्र शर्मा, एक्सईएन मंदीप धनखड़, निजेश कुमार, वासु, सुशील ठाकरान, सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

हरियाणा राज्यसभा चुनाव, INLD ने किया किनारा, अभय चौटाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया ऐलान

हरियाणा : हरियाणा की दो राज्यसभा सीटों के लिए विधानसभा परिसर में सुबह 9 बजे से वोटिंग शुरू हो गई है। वोटिंग शाम 4 बजे तक चलेगी। शाम 5 बजे काउंटिंग होगी और इसके बाद रिजल्ट घोषित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पहला वोट डाला। राज्यसभा चुनाव के लिए 01:02 ढट बजे तक 68 वोट डाले गए थे। इनेलो ने राज्यसभा वोटिंग से किनारा कर लिया है। इसका ऐलान अभय चौटाला ने चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने कहा कि जनता की आवाज पर फैसला लिया कि हमारे दोनों विधायक चुनाव से दूरी बनाएंगे। भाजपा का रवैया सही नहीं रहा। इन्होंने जात-पात, मजहब की राजनीति की। निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल मुझसे मिले थे। मैंने साफ कह दिया था कि इस पर पार्टी का सामूहिक फैसला होगा। इतने डाले गए थे वोट 12 बजकर 50 मिनट तक 50 से ज्यादा विधायक वोट डाल चुके थे। सवा 12 बजे तक डाले गए थे 40 वोट राज्यसभा चुनाव में सवा 12 बजे तक 40 वोट डाले गए हैं। ज्यादातर वोटिंग भाजपा विधायकों ने की है। थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा और कलायत विधायक विकास सहारन ने वोट डाल दिए हैं। सीनियर विधायक आफताब अहमद खुद विधायकों को लेकर वोटिंग कराने ले जा रहे हैं। अरोड़ा ने बताया कि अभी तक कांग्रेस के करीब 10 विधायक वोट कर चुके हैं।

अनिल विज ने भी डाला वोट बता दें कि पिछले काफी समय से मंत्री विज के पैरों में प्लास्टर होने की वजह से विज अपने घर पर ही थे और आज वोटिंग की। इस बारे में जब विज से बात की गई तो मंत्री अनिल विज ने दोनों सीटों पर जीतने का दावा करते हुए कहा कि वोट डालने तो जाना ही है चाहे वे स्ट्रेचर पर जाएं या फिर व्हील चेयर पर। विधानसभा पहुँचे कांग्रेस विधायक कैबिनेट मंत्री आरती राव ने वोट डाला भूपेंद्र हुड्डा के घर से विधानसभा रवाना हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी व बीजेपी के 20 से ज्यादा विधायक विधानसभा पहुंच चुके हैं। बताया जा रहा है कि आफताब अहमद और बीबी बत्रा विधानसभा पहुंच गए है।

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी

बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में जाने लगते हैं। ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें। शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए-

बच्चे की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकती हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके।

- सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।
- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- अगर आपका बच्चा पहली बार बाहर जा रहा है तो ऐसे में पहले घर पर उसकी रिहर्सल करने से बच्चे के मन के डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मसलन, अगर आप उन्हें डेकेयर या प्ले स्कूल ले जा रही हैं तो पहले घर पर रोल प्ले करें। इससे बच्चे को स्कूल के माहौल की काफी जानकारी पहले ही हो जाती है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

रसोई में रखी खाने की ये चीजें नहीं होती कभी खराब, लंबे समय तक कर सकते हैं स्टोर

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

बैचलर पार्टी के लिए खुद को इस तरह करें रेडी

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं।

वो जमाने लद गए, जब केवल पुरूष ही शादी से पहले बैचलर पार्टी किया करते थे। आज के दौर में लड़कियां भी बैचलर पार्टी करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर आखिरी बार अपने बैचलर हुड को एन्जॉय करती हैं। वैसे शादी से पहले की जाने वाली यह बैचलर पार्टी लड़कियों के लिए बेहद खास होती है और इसलिए वह इसकी काफी सारी तैयारियां भी करती हैं। इन सभी तैयारियों के बीच एक तैयारी यह भी होती है कि बैचलर पार्टी के लिए खुद को किस तरह रेडी किया जाए। तो चलिए आज हम आपको बैचलर पार्टी के लिए खुद को स्टाइल करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कोई कलर कोड या डेस कोड को भी अपनी पार्टी का हिस्सा बना सकती हैं। इससे सिर्फ आपको ही रेडी होने में आसानी नहीं होगी, बल्कि हर गेस्ट खुद को आसानी से स्टाइल कर पाएगा। साथ ही इसमें आप सभी को काफी मजा भी आएगा।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

बैचलर पार्टी वास्तव में ढेर सारी मौज-मस्ती करने के लिए होती है। इसलिए ऐसे में आप चाहे जो भी पहनें, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें आप खुद को कंफर्टेबल महसूस कर पाएं ताकि आप खुलकर एन्जॉय कर सके। जरा सोचिए कि अगर आपने बैचलर पार्टी के लिए हैवी लॉन्ग गाउन कैरी किया तो फिर आप पार्टी में खेले जाने वाले गेम्स को किस तरह एन्जॉय करेंगी। इसलिए आपका आउटफिट लाइटवेट और कंफर्टेबल होना चाहिए। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी बैचलर पार्टी को रॉकिंग बनाने और उसमें अपने स्टाइल का जलवा बिखेरने के लिए आप अपने लुक में एक एक्स फैक्टर एड कर सकती हैं। अगर आपका कलर कोड या डेस कोड सेम नहीं है तो भी आप अपनी एसेसरीज को एक जैसा रखने की कोशिश करें। मसलन, आप किसी खास तरह के हेडबैंड या कैप्स आदि को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। इससे आप सभी फ्रेंड्स अलग-अलग दिखकर भी एक जैसी ही नजर आएंगी। यह देखने में काफी कूल लगेगा।

गर्मियों में इन्वर्टर का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम में जब आधी रात को अचानक से बिजली गुल हो जाए और इन्वर्टर भी खराब हो तो मानों कोई बहुत बड़ी विपदा आन पड़ी हो। ऐसी मुसीबत से लगभग हर कोई बचना चाहेगा। गर्मियों के मौसम में जगह-जगह घंटों तक बिजली का गुल होना आजकल आम बात है। कुछ शहरों में तो पूरे दिन बिजली का अता-पता नहीं रहता। ऐसे समय में लगभग सभी घर में इन्वर्टर का महत्व बहुत अधिक हो जाता है। लेकिन, कई बार इन्वर्टर और बैटरी खराब होने की वजह से गर्मी के मौसम में जान निकल जाती है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप भी घर में इन्वर्टर का इस्तेमाल करती हैं तो आपको भी इस आर्टिकल को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ शानदार टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी को जल्दी खराब होने से आप बचा सकती हैं।

अधिक लोड न दें

अगर आपको इन्वर्टर और बैटरी को जल्दी खराब होने से बचाना है तो फिर आपको बैटरी पर अधिक लोड देने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में जरूरत से अधिक लाइट्स जलाने या पंखा चलाने से बचें। कई बार घर में लाइट नहीं होने पर महिलाएं इन्वर्टर से ही मिक्सी चलाने लगती हैं या फिर कई बार आयरन भी इन्वर्टर से ही करती हैं जिससे बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आपको इन्वर्टर की बैटरी की हेल्थ को सही रखनी है तो उस पर अधिक लोड न दें। दिन में आप सभी लाइट्स को ऑफ कर सकती हैं।

एसिड लेवल चेक करते रहें

गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी जल्दी खराब न हो इसके लिए समय-समय पर एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि अगर बैटरी में एसिड लेवल सामन्य स्तर से कम है तो बैटरी में मौजूद कार्बन प्लेस्ट पर बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। (सोलर इन्वर्टर की देखभाल) ऐसे में समय-समय पर बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर को डालते रहना चाहिए, जिससे बैटरी की लॉन्ग लाइफ बरक़रार रहे।

फुल चार्ज होने के बाद करें इस्तेमाल

लाइट नहीं होने पर इन्वर्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब बैटरी एकदम से बैठ जाती है तो उसे फुल चार्ज होने में लगभग 5-6 घंटा लगता है। अगर फुल चार्ज होने से पहले ही इन्वर्टर की बैटरी का इस्तेमाल करते हैं तो बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। कई बार फुल चार्ज नहीं होने पर वोल्टेज का प्रभाव भी कम रहता है। कई बार लाइट्स भी अप एंड डाउन होने लगती हैं। ऐसे में एक बार बैटरी बैठने के बाद जब तक फुल चार्ज नहीं हो जाए तब तक इन्वर्टर का इस्तेमाल न करें।

कनेक्शन पॉइंट की करें सफाई

आपको बता दें कि बैटरी में जिस जगह लाइट की तार जुड़ी होती है उस जगह कई बार कार्बन पकड़ लेता है जिससे बिजली का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। ऐसे में सबसे पहले स्विच ऑफ करके कनेक्शन पॉइंट की सफाई कर लें। इस प्रक्रिया को महीने में एक से दो बार जरूर करें। इससे बैटरी जल्दी खराब होने से बच सकती है। कई लोग कनेक्शन पॉइंट को टर्मिनल पॉइंट भी बोलते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- इन्वर्टर की बैटरी को किसी नमी वाली जगह रखने से बचें।
- बैटरी को दीवार, दरवाजा आदि चीजों से एक से दो इंच दूर ही रखें।
- अगर आपको सफाई करने या फिर एसिड बदलने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।
- बैटरी को किसी भी चीज से ढककर न रखें।

कुछ हल्का खाने का मन हो तो बनाएं कॉर्न पुलाव

कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें।

रविवार का दिन हो तो कुछ हल्का और टेस्टी खाने का मन करता ही है। दरअसल, छुट्टी के दिन हम सभी रिलैक्सिंग मूड में होते हैं और इसलिए किचन में बहुत अधिक वक्त बिताने का मन नहीं करता। हो सकता है कि आप भी यही सोच रही हों कि इस संडे क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ हल्का और डिलिशियस खाना चाहती हैं तो कॉर्न पुलाव तैयार कर सकती हैं। चावल की मदद से बनने वाली यह डिश बनाने में जितनी आसान होती है, खाने में उतनी ही लाजवाब होती है। तो चलिए जानते हैं कि कॉर्न पुलाव बनाने के लिए आपको क्या करना होगा-

सामग्री- तीन चौथाई कप मकई के दाने उबले हुए, डेढ़ कप चावल करीबन आधे घंटे तक भिगोए हुए, 1 बड़ा चम्मच तेल, काली मिर्च 5-6, लौंग 4-5, दालचीनी एक छोटा टुकड़ा, हरी इलायची 3-4, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज 1 मध्यम कटा हुआ, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च तिरछी कटी हुई

विधि- कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च व हल्दी डालकर चलाएं। प्याज गोल्डन कलर के हो जाने के बाद इसमें चावल डालें और करीबन दो मिनट के लिए हिलाएं। अब इसमें पानी और कॉर्न डालें। साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स करें। लिड लगाकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। धीमी आंच पर दो सीटी आने तक इसे पकाएं। कॉर्न पुलाव बनाने वालों का कहना है कि इसे कई तरीकों से बनाया जा सकता है। मसलन, आप इसमें कॉर्न के अलावा अपनी पसंद की सब्जी जैसे मटर, टमाटर, शिमलामिर्च, पनीर आदि को भी मिक्स करके इस कॉर्न पुलाव को और भी ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बना सकते हैं। वैसे सिर्फ कॉर्न व प्याज के साथ भी इसका टेस्ट गजब का आता है।

शुभ है वास्तु के अनुसार बोनसाई रखना

समय के साथ लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। कई लोग नेचर में सुकून ढूंढते हैं इसके लिए लोग घरों में पेड़ पौधें लगाने लगे हैं। इन दिनों बोनसाई के पेड़ काफी ट्रेंडिंग में चल रहे हैं। लोग इस छोटे से पेड़ को अपने घर में रखना पसंद कर रहे हैं। कोई अपने शौक के लिए इसे रख रहा है तो कोई प्रकृति प्रेमी होनी की वजह से। लेकिन वास्तु के अनुसार इस पेड़ को रखना शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कारण -

- कहते हैं अगर आपको बहुत गुस्सा आता है या आप फ्रस्टेट हो जाते हैं तो इससे आपको बहुत शांति मिलती है।

जी हां, इसे घर में रखने से आपका मन शांत रहेगा और आपको प्रोडक्टिव रहने में भी मदद करेगा।

- बोनसाई के पौधे घर की हवा को प्यूरीफाई करते हैं। यह घर की हवा में मौजूद टॉक्सिन को बाहर करते हैं। इससे सांस लेने में आसानी होती है और हवा को शुद्ध करता है।
- इस पेड़ को घर में रखने से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। इतना ही नहीं यह आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ाता है।
- कई बार लोग हड़बड़ी में कोई काम करके या निर्णय लेकर पछताते हैं। ऐसे में बोनसाई पेड़ आपकी मदद करेगा। ह आपको धैर्यवान, तनाव मुक्त रखेगा।

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
मंगलवार 17 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

लखपति दीदी से करोड़पति दीदी बनें:- जिलाधिकारी का महिलाओं को आह्वान

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जोया रोड स्थित एक होटल में सोमवार को दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत लखपति दीदी कार्यशाला / मेगा ऋण वितरण कैम्प का भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सभी विभागों में संचालित होने वाली योजनाओं से समूह की दीदियों को लाभान्वित करके लखपति बनाना है। कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में जिला उद्योग विभाग, खादी विभाग, कृषि विभाग, नाबार्ड, जिला उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, कौशल विकास और महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया और योजनाओं से किस तरह लाभान्वित हो सकते हैं उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महिलाओं द्वारा समूह के द्वारा प्राप्त अपनी सफलता के अनुभव भी पीपीटी के जरिए साझा किए और उनके जीवन में आए बदलाव के साथ भविष्य की कार्ययोजना के बारे में बताया। कार्यशाला में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मौके पर ही बैंक ऋण स्वीकृत किए गए। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने समूह की महिलाओं को संबोधित करते कहा कि आज इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों द्वारा आपको जो सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी मिली है, उसे अपने समूह की अन्य दीदियों के साथ साझा करें। समूह में बैठकर गहन चिंतन-मनन करें, हर योजना को अच्छी तरह समझें और जिस योजना का आप लाभ उठाना चाहती हैं, उसके संबंधित अधिकारी से संपर्क करके पूरी जानकारी लें तथा उसका लाभ उठाकर आगे बढ़ें। जब आपकी आय बढ़ेगी, तो अमरोहा जिले की आय बढ़ेगी, फिर उत्तर प्रदेश की और अंततः पूरे भारत की। यही क्रम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। आप जो भी उद्यम या स्वरोजगार शुरू करेंगी चाहे वह कुक्कुट पालन हो, मछली पालन, सिलाई-कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग, किराना दुकान या कोई और उसके हर स्तर पर जिला प्रशासन का पूरा सहयोग मिलेगा। उद्यम की शुरूआत से लेकर उत्पादन, पैकेजिंग और मार्केटिंग तक हर कदम पर सहायता उपलब्ध है। यहां तक कि उद्यम शुरू करने से पहले ट्रेनिंग भी दी जाएगी। लखपति दीदियों से अपील करते हुए कहा कि अब सोचिए कि लखपति से करोड़पति कैसे बनें... इस पर गहन चिंतन करें। समूह के माध्यम से आपमें पहले से ही बहुत आत्मविश्वास आ चुका है। एक-दूसरे का हाथ थामकर, अनुभव साझा करके आगे बढ़ें। याद रखें जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो पूरा परिवार, समाज और राष्ट्र आगे बढ़ता है। उन्होंने सभी महिलाओं से आह्वान किया कि अगले कुछ दिनों में समूह बैठकें आयोजित करें, योजनाओं पर चर्चा करें और अधिकारियों से जुड़कर लाभ उठाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का उद्देश्य हर महिला को आत्मनिर्भर बनाना है, और इसके लिए सभी विभाग प्रतिबद्ध हैं। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। आज की इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था कि जो बहनें छोटे-छोटे स्तर पर अपना काम कर रही हैं, उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी मिले, ताकि वे अपने उद्यम को बड़े पैमाने पर ले जा सकें और अधिक आय अर्जित कर सकें। आप सभी को आज जो योजनाओं की जानकारी मिली है, उनमें से जिस योजना के तहत आप काम करना चाहती हैं, उस पर गंभीरता से विचार करें। अगले 15 दिनों के अंदर एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें। जिसमें आप क्या करना चाहती हैं, कितनी लागत आएगी, क्या प्रशिक्षण चाहिए, आदि का उल्लेख हो। इस रिपोर्ट के आधार पर आपको प्रशिक्षण, इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। लगातार संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क बनाए ताकि आपको अधिकतम लाभ मिल सके। साथ ही, अपने उत्पादों का प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी करें। सरकार आपको आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। आप न केवल खुद स्वरोजगार से जुड़ें, बल्कि अपनी समूह की अन्य बहनों को भी प्रेरित करें और जोड़ें। हम हर दो महीने में ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी, जहां योजनाओं की जानकारी, सफलता की कहानियां और मार्गदर्शन मिलेगा।

उपायुक्त स्वतः रोजगार व परियोजना निदेशक पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार ने बताया कि जिले में संचालित स्वयं सहायता समूह में करीब 60 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। इनमें से हजारों महिलाएं स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनी है। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी, जनपद के सभी ब्लॉक से स्वंय सहायता समूह की दीदियां उपस्थित रही।

बेमौसम बारिश और आंधी से खेतों में बिछी गेहूं व सरसों की फसल, किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें

अमरोहा। रविवार को मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से ही आसमान में बादल छा गए और तेज हवा छूट गई। जिससे लोगों ने ठंडक महसूस की। रही सही कसर बारिश ने पूरी कर दी। बारिश व तेज हवा के झोंकों से सरसों की फसल खेतों में ही बिछ गई। उन किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खिंच गई जिनकी खेत में कटी पड़ी थी। गेहूं की फसल भी खेतों में गिर गई। इनके अतिरिक्त अन्य किसी भी फसल में कोई नुकसान नहीं है। दोपहर बाद फिर मौसम ने करवट बदली। आसमान से बादल छंट गए और तेजी के साथ धूप खिली। जिस पर लोगों ने राहत की सांस ली। तड़के से ही मौसम अपने तेवर दिखा रहा था। जैसे जैसे दिन चढ़ा वैसे वैसे बादलों की घनघोर चादर ने आसमान को ढक लिया। तेजी के साथ हवा चलने लगी। बिजली की तड़तड़ाहट से किसानों के कलेजे कांपने लगे। ऐसा होना भी लाजमी था क्योंकि, खेतों में किसानों की सरसों की फसल पकी खड़ी है। गेहूं में भी बाली बन चुकी है और उस पर सुनहरी आ रही है। कहा जाए तो गेहूं पकने की कगार पर पहुंच गया है। करीब नौ बजे तेज हवा के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। जिसकी वजह से सरसों व गेहूं की फसल खेतों में ढहा गई। मौसम का नजारा देखते ही किसानों के दिलों की धड़कनें बढ़ गईं क्योंकि, दोनों फसलें महत्वपूर्ण हैं। मौसम की मार से तबाह न हो जाए, बस यही डर सता रहा था लेकिन, दोपहर बाद खिली धूप ने उनको राहत दी। उप निदेशक कृषि डा.रामप्रवेश ने बताया कि बारिश व हवा से सरसों व गेहूं ढहा गया है, परन्तु उनमें ज्यादा कोई नुकसान नहीं है।

कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर के बाद लक्ष्य लालवानी भी छोड़ सकते हैं 'दोस्ताना 2'

कुछ दिनों बाद में फिल्म की कास्ट में बड़ा बदलाव देखने को मिला। कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर इस प्रोजेक्ट से अलग हो गए, जबकि लक्ष्य लालवानी अभी तक इस फिल्म से जुड़े हुए हैं।

विक्रांत मैसी होंगे फिल्म का हिस्सा

इसी बीच हाल ही में अभिनेता विक्रांत मैसी ने पुष्टि की थी कि वह 'दोस्ताना 2' का हिस्सा हैं। लेकिन अब फिल्म को लेकर एक नई खबर सामने आई है। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्य भी इस फिल्म से अलग हो सकते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि धर्मा प्रोडक्शन्स की यह फिल्म एक बार फिर देरी का शिकार हो गई है, जबकि इसकी शूटिंग कई साल पहले शुरू हो जानी चाहिए थी।

फिल्म की कास्ट नहीं हुई है फाइनल

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया, 'दोस्ताना 2 की कास्ट अभी तक फाइनल नहीं हुई है। हो सकता है कि लक्ष्य भी यह फिल्म न करें।' सूत्र ने यह भी बताया कि 'दोस्ताना 2' बनना तय है, लेकिन फिलहाल फिल्म की कास्ट लॉक नहीं की गई है। हालांकि इस खबर को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो लक्ष्य ने हिंदी फिल्मों में डेब्यू धर्मा प्रोडक्शन्स की फिल्म 'किल' से किया था। इस फिल्म में उनके साथ राघव जुयाल और तान्या मानिकतला भी नजर आए थे। इसके बाद वह आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज 'द बैस्टर्ड्स ऑफ बॉलीवुड' में भी दिखाई दिए। अब जल्द ही लक्ष्य फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी कर रहे हैं और इसे भी धर्मा प्रोडक्शन्स ही प्रोड्यूस कर रहा है।

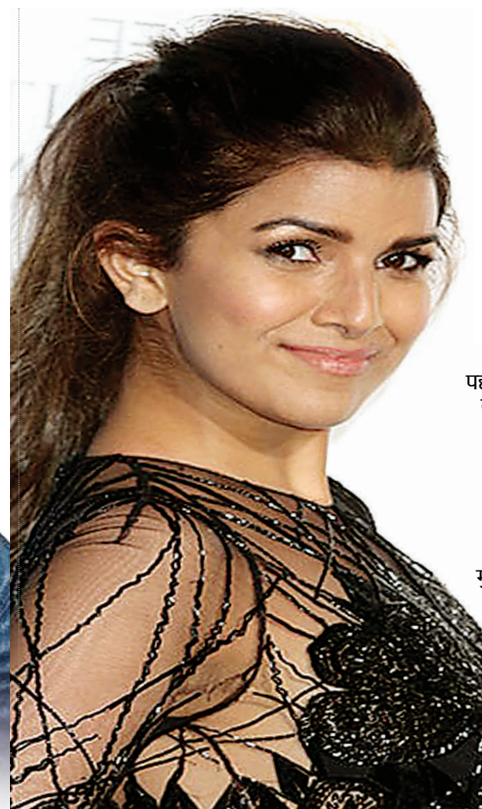

85-90 बार रिजेक्ट होने के बाद निम्रत कौर को मिला था पहला काम

निजी जिंदगी में बड़े हादसों को झेलने के बाद पर्दे पर पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना हिम्मतवालों का काम है और ऐसी हिम्मत व जज्बा कम ही अभिनेत्रियों में देखने को मिलता है। ऐसी ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी अभिनेत्री हैं निम्रत कौर, जिन्होंने 'द लंचबॉक्स,' 'पेडल्स,' और 'होमलैंड' जैसी फिल्मों से हॉलीवुड और बॉलीवुड में दर्शकों का दिल जीता, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अभिनेत्री की निजी जिंदगी और करियर दोनों ही मुश्किलों से भरे थे। राजस्थान के गांव में 13 मार्च को जन्मी निम्रत कौर आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनके पिता मेजर भूपिंदर सिंह भारतीय सेना में अधिकारी थे लेकिन कश्मीर में हुए एक विद्रोह में कुछ लोगों ने उन्हें किडनैप करके मौत के घाट उतार दिया था और उस वक्त निम्रत 12 साल की थी। अपने पिता को खोने का गम साथ लिए वह परिवार के साथ नोएडा शिफ्ट हो गईं, जहां उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी की। निम्रत को पहले से ही बॉलीवुड की चमक पसंद थी और अपनों की उड़ान को पूरा करने के लिए न सिर्फ मुंबई का रुख किया बल्कि थिएटर भी किया। पहले अपनी कला को निखारने के लिए अभिनेत्री ने कई नाटकों में भाग लिया लेकिन फिल्मों में आने की राह आसान नहीं थी। पैसे कमाने के लिए प्रिंट मॉडलिंग की और लेकिन काम की तलाश में उन्हें बॉलीवुड की तरफ से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अभिनेत्री के रंग, हाइट और शारीरिक बनावट पर सवाल उठाए गए लेकिन निम्रत ने कभी हार नहीं मानी और परेशानी का सामना मजबूती से किया। उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि काम की तलाश में रोज कई जगह भटकना पड़ता था और पहला काम 85-90 बार ऑडिशन में रिजेक्ट होने के बाद मिला था। निम्रत ने फिल्म से पहले साल 2004 में एल्बम सॉन्ग में काम किया था। उन्हें 'तेरा मेरा प्यार' और 'ये क्या हुआ' गानों में बतौर लीड देखा गया, जिसके बाद अनुराग कश्यप की वजह से उन्हें बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला। उन्हें साल 2012 में दमदार फिल्म 'पेडलर्स' में देखा गया लेकिन असली लोकप्रियता 'द लंचबॉक्स' से मिली थी। आज निम्रत बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी पर अपनी एक्टिंग का दम दिखा रही हैं। उनकी 'द फैमिली मैन', 'एयरलिफ्ट', 'स्काईफोर्स' और 'दसवीं' दर्शकों की फेवरेट क्राइम थ्रिलर सीरीज है।

राजामौली की 'वाराणसी' में होगी सुदीप की भी एंट्री

साउथ के डायरेक्टर एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' लगातार सुर्खियों में है। इस फिल्म से जुड़े लगातार अपडेट सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। पहले ही महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन इस परियोजना का हिस्सा बन चुके हैं। हाल ही में खबर आई कि दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज भी फिल्म में शामिल हो गए हैं। अब ताजा चर्चा है कि सुपरस्टार किच्चा सुदीप भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि अभी तक निर्माताओं की ओर से पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अगर यह खबर सही साबित होती है, तो यह किच्चा और राजामौली का तीसरा सहयोग होगा। पहले दोनों ने फिल्म 'ईगा' में साथ काम किया था और इसके अलावा सुदीप ने 'बाहुबली: द बिगिनिंग' में भी छोटा लेकिन यादगार किरदार निभाया था।

'भारत भाग्य विधाता' में नर्स का किरदार निभाएंगी कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने राजनीति में कुछ समय बिताने के बाद अब अपनी नई फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। कंगना की आगामी फिल्म का नाम 'भारत भाग्य विधाता' है। एक खबर के अनुसार, कंगना इस फिल्म में एक नर्स का किरदार निभाएंगी। फिल्म मुंबई के कामा और अल्बलेस अस्पताल में 26/11 हमलों के दौरान हुई घटना पर आधारित है। कंगना की इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं।

'भारत भाग्य विधाता' के बारे में

'भारत भाग्य विधाता' फिल्म में गिरिजा ओक भी मुख्य भूमिका में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन मनोज तापड़िया कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म 2008 के मुंबई 26/11 आतंकी हमलों पर आधारित है, खासकर अस्पताल में हुई घटनाओं और वहां के लोगों की बहादुरी पर। यह फिल्म दिखाएगी कि कैसे अस्पताल के कर्मचारियों ने मुश्किल वक्त में हिम्मत दिखाई और स्थिति को संभाला।

हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी कंगना?

कंगना अभिनेता आर. माधवन के साथ एक और फिल्म में काम करेंगी, जिसका निर्देशन ए.एल. विजय करेंगे। इसके अलावा, कंगना जल्द हॉलीवुड में 'ब्लेस्ड बी द इविल' फिल्म से डेब्यू कर सकती हैं, जिसमें टायलर पोसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी होंगे।

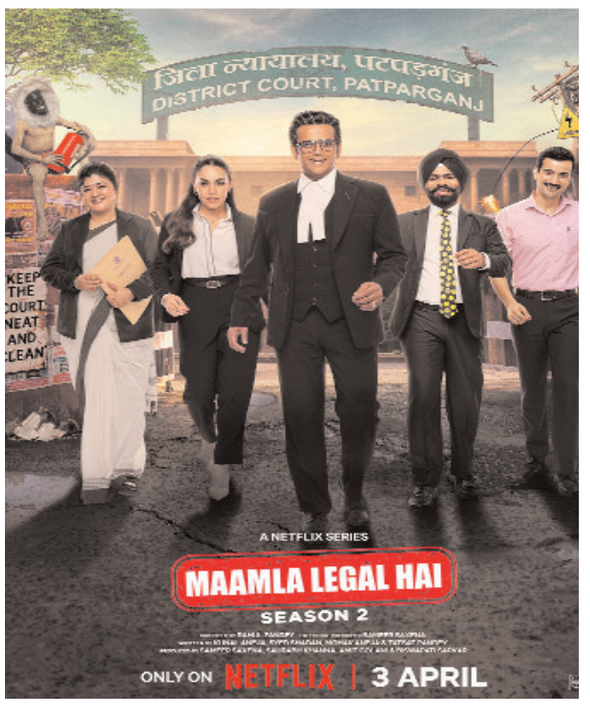

वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' में कुशा कपिला, निरहुआ की एंट्री

मशहूर कोर्टरूम कॉमेडी वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर काफी धमाकेदार है। रवि किशन इसमें वीडी त्यागी के रूप में वापसी कर रहे हैं। वह जज की भूमिका में नजर आ रहे हैं। नए सीजन में कुशा कपिला और निरहुआ नजर आएंगे।

2 मिनट 32 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि रवि किशन जज बनने वाले हैं। इस बात से उनके साथी खुश होते हैं। हालांकि आगे का रास्ता उनके लिए मुश्किल होने वाला है। रवि किशन जब जज बन जाते हैं, तो उनके सामने कई हैरान करने वाले केस आते हैं। इसके बाद कोर्ट में कई अजीब चीजें होती हैं। आखिर में जब रवि किशन एक फैसला करने वाले होते हैं, तो उन्हें बताया जाता है कि वह अभी जज नहीं बने हैं। 'मामला लीगल है 2' के ट्रेलर में कुशा कपिला और निरहुआ नजर आए हैं।

इसमें इन दो कलाकारों के अलावा रवि किशन, निधि बिष्ट, नायला ग्रेवाल, अनंत वी जोशी, अंजुम बत्रा, विजयंत कोहली और राजेंद्र गुप्ता भी हैं। इसके निर्देशक राहुल पांडे हैं। सीरीज को पोशम पा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इसे 3 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर किया जाएगा।

पहली सीरीज पर मिला अच्छा रिस्पॉन्स

सीरीज का पहला सीजन साल 2024 में रिलीज हुआ था। कॉमेडी और कोर्टरूम ड्रामा ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद फैंस इसके दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे थे। 'मामला लीगल है' में कई केस असल जिंदगी से प्रेरित दिखाए गए थे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।